



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 141

प्रयागराज, गुरुवार 17 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये



OCMYB

900 किलो के 40 हजार बम सहित इजराइल को रु26 हजार करोड़ के हथियार दंगे ट्रम्प,बाइडेन ने ज्यादा मौतों के डर से सफ़ाई रोकी थी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन इजराइल को 2.8 अरब डॉलर यानी करीब रु26 हजार करोड़ के हथियार देने की तैयारी कर रहा है। इस पैकेज में करीब 40 हजार भारी बम शामिल हैं। हर बम का वजन 2000 पाउंड यानी करीब 900 किलो है। इन बमों की सफ़ाई पर पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2024 में रोक लगाई थी। प्रस्तावित हथियार पैकेज में 20 हजार एमके84 और 20 हजार बीएल्यू-117 बम शामिल हैं। डील अभी फाइनल नहीं हुई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कांग्रेस को इसकी अनौपचारिक जानकारी दे दी गई है। गाजा में बड़ी संख्या में मौतों के डर से रोक लगी थी- 2024 में बाइडेन प्रशासन ने 2,000 पाउंड के इन बमों की एक खेप इजराइल भेजने पर रोक लगा दी थी। उस समय चिंता थी कि गाजा जैसे घनी आबादी वाले इलाके में इनका इस्तेमाल होने पर बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो सकती है। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह रोक हटा दी गई। अब उनका प्रशासन इन्हीं बमों की बड़ी संख्या

वाली नई डील की तैयारी कर रहा है। कुछ बम जमीन के अंदर ठिकानों को भेदने के लिए-इन 900 किलो के बमों के अलग-अलग



मॉडल हैं। कुछ को जमीन के अंदर मौजूद ठिकानों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि कुछ जमीन के ऊपर फटकर बड़े इलाके में भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। एक्सपर्ट्स ने गाजा में हुए हमलों के वीडियो और घटनास्थलों से मिले बमों के टुकड़ों का विश्लेषण किया है। उनके मुताबिक, वहां अमेरिकी निर्मित बमों का इस्तेमाल हुआ है। इनमें कुछ हमला के सुरंग नेटवर्क को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए, लेकिन घनी आबादी वाले इलाकों में भी लोगों की मौत हुई। ट्रम्प पहले

भी दे चुके हैं अरबों डॉलर के हथियार-ट्रम्प प्रशासन पिछले साल इजराइल के लिए करीब 3 अरब डॉलर की हथियार बिक्री मंजूर कर चुका है। इसमें 35,500 से ज्यादा भारी बम शामिल थे। इसके बाद जनवरी में इजराइल के लिए 6.67 अरब डॉलर की एक और हथियार बिक्री को मंजूरी दी गई। 7 अक्टूबर के हमले के बाद शुरू हुआ था गाजा युद्ध- 7 अक्टूबर 2023 को हमला के तत्त्व में दक्षिणी इजराइल पर हमला किया गया था। इसमें करीब 1,200 लोग मारे गए और 251 लोगों को बंधक बनाया गया। इसके बाद इजराइल ने गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इजराइली अभियान में अब तक 73,264 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इनमें संघर्षविराम के बाद मारे गए लोग भी शामिल हैं। अमेरिका की मध्यस्थता से संघर्षविराम हुआ है, लेकिन गाजा में हिंसा पूरी तरह बंद नहीं हुई है। इजराइल की ओर से हमले जारी रहने के साथ ही हमला से जुड़े लड़ाकों और इजराइली सैनिकों के बीच भी हिंसा की घटनाएं सामने आती रही हैं।

ईरान युद्ध से तेल महंगा, दुनियाभर में गुस्सा बढ़ा,बांग्लादेश की फैक्ट्रियों में काम रुका, मछुआरों ने नावें रोक दीं

तेहरान। ईरान युद्ध का असर अब पश्चिम एशिया से बाहर भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार



पहुंच गई है। इसका असर हर देश में अलग तरह से दिख रहा है। कहीं पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें हैं, कहीं खाना पकाने की गैस नहीं मिल रही। फिलीपींस में मछुआरे महंगे डीजल के कारण समुद्र में नहीं जा पा रहे हैं। बांग्लादेश में गैस और बिजली की कमी से कपड़ा फैक्ट्रियों का काम प्रभावित हुआ है। श्रीलंका में सरकार इस उलझन में है कि ईंधन की कीमत बढ़ाए या सब्सिडी देकर लोगों को राहत दे। यानी तेल का संकट अब सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं है। इसका असर परिवहन, खेती, मछली पालन, बिजली और उद्योग तक पहुंच रहा है। इंडोनेशिया: पेट्रोल के लिए कतार, गैस की भी कमी- इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में खाना

पकाने वाली गैस की कमी और बिजली कटौती की शिकायतें सामने आई हैं। कुछ जगहों पर पेट्रोल की राशनिंग भी शुरू की गई है। पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। कई लोग खाली टैंक वाली बाइक को धक्का देकर पंप तक ले जाते नजर आ रहे हैं। ईंधन की राशनिंग के खिलाफ टेक्सो ड्राइवरो ने प्रदर्शन किया। जावा के योग्याकार्ता में छात्रों ने भी बढ़ती ईंधन कीमतों के खिलाफ विरोध किया। इंडोनेशिया के लिए मुश्किल यह है कि सरकार पहले से ही ईंधन पर सब्सिडी देती है। कच्चे तेल की कीमत अनुमान से ज्यादा बढ़ने पर इस सब्सिडी का खर्च भी बढ़ रहा है। मनीला बें के मछुआरे कई हफ्तों की बारिश के बाद समुद्र में लौटने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन महंगे डीजल ने उनकी मुश्किल बढ़ा दी। डीडी संख्या में मछुआरे नाव लेकर समुद्र में नहीं गए, क्योंकि उनके पास ईंधन खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। मछुआरा संगठन के नेता फर्नांडो हिकाप ने कहा कि कई लोग दोबारा मछली पकड़ने के लिए तैयार थे, लेकिन नाव में डालने के लिए ईंधन खरीदना उनके लिए मुश्किल हो गया है।

अमेरिका में पढ़े विदेशियों का वहां नौकरी करना मुश्किल,रु40 हजार की जगह रु1 करोड़ वसूलने की तैयारी,करीब 4 लाख भारतीय छात्रों पर असर

नई दिल्ली। अब ट्रम्प सरकार अमेरिका में पढ़े विदेशी छात्रों की नौकरी महंगा करने की तैयारी

है। लागू करने से पहले लोगों और संस्थानों से इस पर आपत्तियां और सुझाव मांगे जाएंगे। अमेरिका



कर रही है। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी करने के लिए छात्रों को करीब 40 हजार की जगह 96 लाख रुपए (1 लाख डॉलर) फीस देनी पड़ सकती है। यह फीस ऑफ़ेशनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) के लिए रखी गई है। इसके तहत विदेशी छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में नौकरी करने की अनुमति मिलती है। इस प्रस्ताव को क्वाइट हाउस की मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि, अभी यह नियम लागू नहीं हुआ

में अभी 3.63 लाख भारतीय समेत 11 लाख विदेशी छात्र हैं। ओपीटी से विदेशी छात्रों को 12 महीने तक काम की अनुमति-ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को आम तौर पर 12 महीने तक काम करने का मौका मिलता है। वहीं, साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैन्युस यानी एसटीईएम विषयों के छात्रों को इसके अलावा 24 महीने का समय दिया जाता है। यानी एसटीईएम छात्रों को कुल 36 महीने तक अमेरिका में काम करने का

मौका मिल सकता है। अमेरिका में पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों के लिए यह खर्च ट्यूशन फीस और रहने-खाने के खर्च के अलावा होगा। इससे पढ़ाई के बाद अमेरिका में काम करने की योजना बना रहे छात्रों पर ज्यादा आर्थिक बोझ पड़ेगा। 2 लाख से ज्यादा भारतीय छात्र ओपीटी के तहत नौकरी कर रहे-अमेरिका में 2 लाख से ज्यादा भारतीय छात्र ओपीटी के तहत नौकरी कर रहे हैं। विदेशी छात्रों में भारतीय छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा है। ऐसे में इसकी फीस बढ़ने का असर बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों पर पड़ सकता है। अमेरिका में ग्रेजुएशन की पढ़ाई पर करीब 50 लाख रुपए तक फीस लग सकती है। इसके अलावा छात्रों को रहने, खाने और दूसरी जरूरतों पर भी खर्च करना पड़ता है। कई छात्र इन खर्चों को संभालने के लिए पढ़ाई के दौरान पार्ट-टाइम काम करते हैं। अमेरिका में करीब 11 लाख विदेशी छात्र पढ़ रहे-अमेरिका में इस समय करीब 11 लाख विदेशी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

अमेरिका में एआई को लेकर तीन खेमे,मस्क को सभ्यता मिटने का डर, ट्रम्प को चीन से पिछड़ने की चिंता

बीजिंग/वॉशिंगटन। अमेरिका में एआई के विकास की रफ्तार को लेकर बहस तेज है। इसे लेकर तीन अलग-अलग खेमे बन गए

दोनों खेमों में बहुत कम मुद्दों पर सहमति दिखती है। लेकिन एआई की यह बहस सिर्फ राजनीति या टेक कंपनियों तक सीमित नहीं

वाले-सैम ऑल्टमैन-ओपन एआई के को-फाउंडर और सीईओ हैं। 2023 में उन्होंने एआई से इंसानों के खतरे होने के खतरे की चेतावनी वाले बयान पर हस्ताक्षर किए थे। इसी साल उन्होंने अमेरिकी सीनेट में ताकतवर एआई मॉडल पर नियम बनाने का समर्थन भी किया। बाद में उनका रुख कुछ नरम पड़ा। 2025 के बीच तक ऑल्टमैन का कहना था कि एआई में बड़े बदलाव धीरे-धीरे होंगे और उन्हें संभालना संभव है। फिर जुलाई 2026 में ओपन एआई ने बताया कि उसके दो एआई मॉडल टेस्टिंग के दौरान बिना इंसानी मदद के सिस्टम से बाहर निकल गए। उन्होंने चोरी की लॉगिंग डिटेल्स और सिक्योरिटी खामियों का इस्तेमाल कर हंगिंग फंस के सर्वर तक पहुंच बनाई। इस घटना के बाद ऑल्टमैन ने कहा कि अब एआई के विकास की रफ्तार धीमी करने का समय आ गया है। उन्होंने अमोडेई की इस मांग का भी समर्थन किया कि एआई मॉडल का विकास कुछ धीमा किया जाना चाहिए। इन मस्क-लॉकडो-डो-एआई के इंसानों के लिए खतरनाक साबित होने की संभावना 10 से 20फीसदी तक है। उन्होंने एआई को परमाणु हथियारों से भी ज्यादा खतरनाक बताया है और समय रहते इसके लिए नियम बनाने की मांग की है। मस्क ने खुद एआई कंपनी नेकसा को बनाया है और समय रहते इसके लिए नियम बनाने की मांग की है। मस्क ने खुद एआई कंपनी नेकसा को बनाया है और समय रहते इसके लिए नियम बनाने की मांग की है। मस्क ने खुद एआई कंपनी नेकसा को बनाया है और समय रहते इसके लिए नियम बनाने की मांग की है।



हैं। इलॉन मस्क समेत कुछ टेक दिग्गजों को डर है कि एआई अगर इंसानों के कंट्रोल से बाहर हुआ तो पूरी मानव सभ्यता के लिए खतरा बन सकता है। वे इसे परमाणु हथियार से भी ज्यादा खतरनाक मानते हैं। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एआई की रफ्तार धीमी करने के पक्ष में नहीं हैं। उनका जोर अमेरिका को एआई की दौड़ में चीन से आगे रखने पर है। उनका मानना है कि ज्यादा रोक-टोक से अमेरिका पीछे रह सकता है। तीसरा खेमा एआई को लेकर अमेरिका में छिड़ी यह बहस है। वह इसकी रफ्तार रोकने के बजाय सुरक्षा नियम और इंसानी निगरानी बनाए रखने के पक्ष में है। नेताओं से लेकर टेक दिग्गजों तक अलग-अलग राय-एआई को लेकर अमेरिका में छिड़ी यह बहस है। बस कुछ देश अपने पैसे को अलग-अलग जगह रख रहे हैं। वे डॉलर के लिए यह बदलाव नहीं कर रहे हैं। आम तौर पर एक-दूसरे से अलग रहने वाले इन

हैं। आने वाले समय में इसके फैसेल हमारी नौकरी, पढ़ाई, कारोबार और रोजमर्रा की जिंदगी को भी प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही, यह भी तय होगा कि एआई के इस्तेमाल को लेकर नियम कैसे बनाए जाएंगे। एआई का विकास धीमा करने के पक्ष में-डारियो अमोडेई-एआई कंपनी एंथ्रोपिक के को-फाउंडर और सीईओ हैं। उन्होंने 2021 में ओपन एआई छोड़कर एंथ्रोपिक शुरू की थी। कंपनी ने खुद को एआई की सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान देने वाली कंपनी के तौर पर पेश किया है। अमोडेई कई बार चेतावनी दे चुके हैं कि भविष्य की एआई बेहद खतरनाक हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा है कि इसका इस्तेमाल जैविक हथियार बनाने जैसे खतरनाक कामों में हो सकता है। वे लंबे समय से एआई पर सरकारी नियम बनाने की मांग करते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने 3,800 शब्दों का एक लेख लिखकर दुनियाभर में एआई के विकास की रफ्तार धीमी करने का प्रस्ताव रखा है। रुख बदलने

यूई ने 4 हजार बांग्लादेशियों का वीजा रद्द किया:छुड़ी पर घर लौटे लोग अब नहीं जा पा रहे

अबु धाबी/ढाका। संयुक्त अरब अमीरात (यूई) ने 4 हजार से ज्यादा बांग्लादेशियों के वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें कई ऐसे लोग हैं, जो यूई में नौकरी या कारोबार कर रहे थे और छुड़ी मनाते बांग्लादेश गए थे। ये लोग अब यूई वापस नहीं जा पा रहे हैं। इन लोगों को वीजा रद्द करने की कोई साफ वजह नहीं बताई गई है। कई लोगों को ईमेल या मोबाइल मैसेज से इसकी जानकारी मिली। बांग्लादेश सरकार ने मामला राजनयिक स्तर पर यूई के सामने उठाया है और वीजा रद्द करने के मामलों की दोबारा जांच की मांग की है। प्रभावित लोगों ने सरकार को 22 सितंबर तक समाधान निकालने का समय दिया

है।जिन लोगों का वीजा रद्द हुआ है उनमें अबुल कलाम आजाद भी शामिल हैं। वे पिछले 27 साल से यूई में रह रहे थे। 7 अप्रैल को छुड़ी पर बांग्लादेश लौटे थे।करीब साढ़े तीन महीने बाद 24 जुलाई को उन्हें ईमेल मिला, जिसमें बताया गया कि उनका वीजा रद्द कर दिया गया है। आजाद ने द डेली स्टार को बताया कि उन्हें वीजा रद्द करने का कारण नहीं बताया गया। अबुल कलाम आजाद उन 350 बांग्लादेशियों में शामिल थे, जो 7 सितंबर को ढाका के नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। इन लोगों ने सरकार से मामले का समाधान निकालने की मांग की। अन्य लोगों ने भी बताया कि जुलाई

से उन्हें ईमेल या मोबाइल मैसेज के जरिए वीजा रद्द होने की जानकारी मिलने लगी। कुछ लोगों के यूई में मौजूद स्पॉन्सर को भी इसकी सूचना दी गई। किसी पर केस नहीं, फिर भी वापस नहीं जा पा रहे-एक व्यक्ति ने द डेली स्टार को बताया कि यूई में उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला या कानूनी विवाद नहीं है। इसके बावजूद उसका वीजा रद्द कर दिया गया। उसने बताया कि यूई में उसके दो कारोबार हैं और उसकी पत्नी दुबई में रहती है। अब वह वापस जाने की अनुमति के लिए अलग-अलग सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है।

अमेरिका को छोड़कर कनाडा अब यूरोप के साथ आया, यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट मंबर बनगा, ब्रिटेन-यूक्रेन के साथ मिलकर सुरक्षा मजबूती पर देगा ध्यान

स्ट्रासबर्ग। अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच कनाडा अब यूरोप के और करीब जाने की तैयारी कर रहा है। कनाडा यूरोपीय संघ

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी भी मौजूद हैं। कार्नी ने पिछले हफ्ते यूरोपीय संघ के साथ एक 'गठबंधन' बनाने की इच्छा जताई थी। उनका कहना



(ईयू) का पहला 'एसोसिएट मंबर' बनने का रहा है। ईयू में यूरोप के 27 देश शामिल हैं। कनाडा इन देशों की तरह ईयू के फैसलों पर वोट नहीं कर सकेगा। हालांकि, वह कई अहम मुद्दों पर ईयू के साथ मिलकर काम करेगा। इनमें रक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टेक्नोलॉजी, ऊर्जा, जरूरी खनिज और व्यापार जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा यूरोप की सुरक्षा मजबूत करने के लिए बनाई जाने वाली एक नई सिक्योरिटी काउंसिल में भी शामिल हो सकता है। इसमें ब्रिटेन और यूक्रेन जैसे वे देश भी शामिल होंगे, जो ईयू के सदस्य नहीं हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री ने यूरोपीय संघ के साथ जुड़ने की इच्छा जताई थी यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को कहा कि यूरोपीय संघ कनाडा के लिए अपने दरवाजे खोलना चाहता है। उन्होंने कहा कि कनाडा और यूरोप के बीच सहयोग को और मजबूत किया जा सकता है। इस दौरान कनाडा के

था कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में कनाडा और यूरोप के बीच रिश्तों को और मजबूत करना जरूरी है। कनाडा के लिए यूरोपीय संघ को नई व्यवस्था बनानी पड़ेगी-यूरोपीय संघ के नियमों में अभी 'एसोसिएट मंबर' जैसी कोई सदस्यता नहीं है। इसलिए अगर कनाडा को यह दर्जा देना है, तो ईयू को इसके लिए एक नियम बनाने होंगे। इसके लिए सभी सदस्य देशों की सहमति भी जरूरी होगी। इस तरह की सदस्यता का विचार पहली बार इस साल जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने यूक्रेन के लिए रखा था। हालांकि, यूक्रेन ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। वह यूरोपीय संघ का पूरा सदस्य बनना चाहता है। यूरोपीय संघ और कनाडा के बीच व्यापार बढ़ा-अमेरिका के लगाए टैरिफ और चीन से बढ़ती कारोबारी चुनौती के बीच यूरोपीय संघ और कनाडा पहले से ही एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों के बीच सीईटीए नाम का एक व्यापार समझौता है।

अमेरिका से पैसा निकालने लगे दुनिया के बड़े निवेशक,बड़ी चिंता, सोना खरीद रहे, चीन में निवेश बढ़ा रहे

वॉशिंगटन। अमेरिका पर 40 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज है। इसके साथ ब्याज दरें, टैरिफ और दूसरे देशों पर लगाए जा रहे आर्थिक प्रतिबंध भी बढ़ रहे हैं। इससे दुनिया के कुछ निवेशक अब सोच रहे हैं कि अपना पैसा अमेरिका के अलावा कहाँ लगाया जाए। कुछ बड़े सरकारी रूढ़ अमेरिकी बॉन्ड

को कर्ज लेने के लिए निवेशकों को ज्यादा ब्याज देना पड़ रहा है। यानी सरकार के लिए कर्ज लेना महंगा होता जा रहा है। इसका असर आगे चलकर सरकारी खर्च पर भी पड़ सकता है। बॉन्ड में निवेशकों की दिलचस्पी बनाए रखने के लिए अमेरिकी ट्रेजरी पुराने बॉन्ड की खरीद बढ़ा रहा है। हालांकि,



में निवेश घटा रहे हैं। कई देशों के केंद्रीय बैंक सोना खरीदकर अपना भंडार बढ़ा रहे हैं। वहीं, जर्मनी की कंपनियां ने 2026 की पहली छमाही में अमेरिका में निवेश कम किया और चीन में निवेश बढ़ाया। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि दुनिया अमेरिका से पूरी तरह दूर हो रही है। डॉलर अमेरी भी दुनिया की सबसे बड़ी रिजर्व करेंसी है और अमेरिकी शेयर बाजार व बॉन्ड में अब भी बड़ी मात्रा में पैसा लगा हुआ है। अमेरिकी बॉन्ड बाजार में निवेशकों की चिंता अब साफ दिखने लगी है। 10 साल के अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड सितंबर में करीब 5फीसदी तक पहुंच गई। 11 सितंबर को यह 4.93फीसदी थी, जबकि इससे पहले 4.979फीसदी तक पहुंच चुकी थी। आसान भाषा में समझे तो यील्ड बढ़ने का मतलब है कि अमेरिका

ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट का कहना है कि अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था मजबूत है और बॉन्ड की हाल की नीलाभियां अच्छी रही हैं। नॉर्वे अमेरिकी बॉन्ड में निवेश घटा सकता है-अमेरिका से निवेश कम करने वालों में नॉर्वे का सरकारी फंड भी शामिल है। करीब 2.3 ट्रिलियन डॉलर (रु218.5 लाख करोड़) का यह फंड अमेरिकी सरकारी बॉन्ड से घटाकर 50फीसदी करने का प्रस्ताव है। इसमें सबसे बड़ी कटौती अमेरिकी बॉन्ड में होने की संभावना है। इससे अमेरिका के बॉन्ड में नॉर्वे की निवेश करीब 80 अरब डॉलर तक कम हो सकता है। हालांकि, नॉर्वे सिर्फ अमेरिका से दूरी बनाने के लिए यह बदलाव नहीं कर रहा। वह जापान के सरकारी बॉन्ड और

यूरोप- गर्मी से 35 हजार मौतें, जंगल जले,यूरोपीय संघ ने गर्मी को भी आपदा माना, हीटवेव से निपटने नया सिस्टम बनाया

पेरिस। यूरोप में इस साल भीषण गर्मी ने बड़ी तबाही मचाई है। हीटवेव से करीब 35 हजार लोगों की मौत हुई, कई नदियां सूख गई और जंगलों में आग लगी। हालात को देखते हुए यूरोपीय संघ (ईयू) अब गर्मी को भी बड़ी आपदा मानकर इससे निपटने के लिए नया सिस्टम बनाने की तैयारी कर रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को कहा कि इस साल की गर्मी ने यूरोप को बड़ा सबक दिया है।भीषण गर्मी के कारण यूरोप की कई बड़ी नदियों में पानी कम हो गया। इनमें डेन्यूब, राइन और फ्रांस की गारोन नदी भी शामिल हैं। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि कई अस्पताल और



मुताबिक, गर्मी का असर शुरुआती अनुमान से कहीं ज्यादा रहा। खतरे वाले 100 इलाकों की पहचान करेगा ईयू-इस साल यूरोप के कई देशों

में जंगलों में भयानक आग लगी। इससे करीब 6.80 लाख हेक्टेयर जमीन जल गई और करीब 1.2 करोड़ टन फसलें बर्बाद हो गईं। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ईयू अब आग के सबसे ज्यादा खतरे वाले 100 इलाकों की पहचान करेगा। इन इलाकों में आग लगने के खतरे और उससे बचने की तैयारी की जांच की जाएगी। अभी ईयू के पास आग बुझाने वाले विमानों का छोटा बेड़ा है। आग लगने पर ईयू सदस्य देशों के बीच विमान, पानी के टैंकर और राहतकर्मी भेजने की व्यवस्था भी करती है। अब इस पूरी व्यवस्था को और बढ़ा दिया जाएगा। इस योजना को बेहतर बनाने के लिए अनुभवों

फायरफाइटर और राहत टीमों से भी सुझाव लिए जा रहे हैं। जंगल की मिला। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप दुनिया के औसत तापमान के मुकाबले करीब दोगुनी तेजी से गर्म हो रहा है। उनके मुताबिक आने वाले सालों में यूरोप को तेज गर्मी और ज्यादा झेलनी पड़ सकती है। यूरोप में इस साल रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी-साल 2026 में यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इटली के सिसिली में 22 जुलाई को तापमान 46.5सेल्सियस तक पहुंच गया था। फ्रांस के पिसास में 44.3सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं, स्पेन के कई इलाकों में तापमान लगातार 42सेल्सियस से ऊपर रहा।

परिवर्तन की वजह से यूरोप में इस साल इतनी ज्यादा गर्मी देखने को मिली। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप दुनिया के औसत तापमान के मुकाबले करीब दोगुनी तेजी से गर्म हो रहा है। उनके मुताबिक आने वाले सालों में यूरोप को तेज गर्मी और ज्यादा झेलनी पड़ सकती है। यूरोप में इस साल रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी-साल 2026 में यूरोप में पड़ी भीषण गर्मी ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इटली के सिसिली में 22 जुलाई को तापमान 46.5सेल्सियस तक पहुंच गया था। फ्रांस के पिसास में 44.3सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं, स्पेन के कई इलाकों में तापमान लगातार 42सेल्सियस से ऊपर रहा।



ओडीओसी योजना, एमएसएमई नीति एवं तकनीकी उन्नयन के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हो सकता है। जनपद के ऐसे प्रयागराज। मंगलवार को सूक्ष्म, इच्छुक व्यक्ति/उद्यमी, जो उक्त

लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को बढ़ावा देने, स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा नई तकनीक अपनाकर उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से ओडीओसी योजना, एमएसएमई नीति एवं तकनीकी उन्नयन से संबंधित योजनाओं के अंतर्गत पात्र इच्छुक उद्यमियों/व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से पात्र आवेदकों को शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं पात्रता के अनुसार उद्यम स्थापना, विस्तार, तकनीकी उन्नयन एवं अन्य अनुमन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त

ऊंचाहार में आस्था का महासंगम, शिव महापुराण कथा में उमड़ा लाखों का जनसमुद्र
तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की गरिमामयी मौजूदगी, शिव महापुराण कथा में विद्याओं का जमावड़ा: तमाम मंत्री-विधायक एवं विशिष्टजन रहे मौजूद
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मंगलवार को ऊंचाहार/रायबरेली। ऊंचाहार में चल रही श्री शिव



महापुराण कथा के पंचम दिवस आस्था का विराट जनसैलाब उमड़ा। पूज्य पं. प्रदीप मिश्रा जी के श्रीमुख से भगवान महादेव की महिमा और सनातन संस्कृति का संदेश सुनने के लिए लाखों श्रद्धालु कथा स्थल पहुंचे। विशाल पंडाल से लेकर आसपास के मैदानों और मार्गों तक शिवभक्तों का जनसमुद्र दिखाई दिया। हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। पंचम दिवस पूज्य पं. प्रदीप मिश्रा जी ने भगवान शिव की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि महादेव सनातन जीवन-दर्शन के आधार हैं। शिवभक्ति मनुष्य को त्याग, करुणा, संयम, करुणा और लोककल्याण की प्रेरणा देती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से शिव के प्रति आस्था को जीवन और आचरण का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। कथा के दौरान



लाखों श्रद्धालु भाव-विभोर होकर कथा का श्रवण करते रहे। कथा के पंचम दिवस तेलंगाना के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल भी पहुंचे। उन्होंने पूज्य पं. प्रदीप मिश्रा जी का आशीर्वाद लिया और भगवान महादेव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति भारत की आत्मा है और भगवान शिव त्याग, तपस्या, करुणा एवं लोककल्याण के प्रतीक हैं। ऐसी कथाएं समाज को संस्कारों से जोड़ने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। महामहिम

विधायक पूनम संघवार, सांसद अशोक रावत, विधायक संजय कुमार जायसवाल तथा पूर्व विधायक हरिओम यादव समेत बड़ी संख्या में मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं विशिष्टजन मौजूद रहे। लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति को देखते हुए आयोजन स्थल पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा और स्वच्छता की व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। पंचम दिवस ऊंचाहार में आस्था का महासंगम, शिवभक्ति का विराट जनसैलाब और दिग्गजों का जमावड़ा आकर्षण का केंद्र रहा।



42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैंशलेस चिकित्सा योजना के तहत विशेष पंजीकरण अभियान आयोजित
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लिए चलाया गया। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस विभिन्न तकनीकी समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया

शारदाकेयर हेल्थसिटी ने 50 से ज्यादा नर्सों को ट्रेनिंग देकर विश्व सेप्सिस दिवस मनाया, इस ट्रेनिंग कोर्स ने दिल्ली एनसीआर के कोने-कोने से नर्सों और फैंकल्टी को स्किल-बेस्ड लर्निंग और क्रिटिकल केयर अवेयरनेस के नाते एकजुट किया
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) केयर, शॉक मैनेजमेंट और डायलिसिस जैसे ज़रूरी प्रक्रिया समय पर पहचान ज़रूरी है, ताकि तुरंत इलाज शुरू किया



नोएडा-विश्व सेप्सिस दिवस 2026 वेड मोडे पर शारदाकेयर हेल्थसिटी के मेडिकल आईसीयू डिपार्टमेंट ने सेप्सिस लाइफ सेवर्स स्किल्स कोर्स ऑर्गनाइज किया। यह कोर्स 50 से ज्यादा नर्सों के लिए एक हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम है। मेडिकल आईसीयू के डायरेक्टर और हेड डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में इस प्रोग्राम में दिल्ली-एनसीआर के फैंकल्टी ने हिस्सा लिया और इसमें सेप्सिस की जल्दी पहचान, उपचार और समय पर इलाज पर एक्सपर्ट लेक्चर और केस स्टडीज़ हुईं। ट्रेनिंग में केस-बेस्ड लर्निंग के ज़रिए सेप्सिस की पहचान और मैनेजमेंट पर फोकस किया गया। इससे नर्सों को अपनी क्लीनिकल स्किल्स को मज़बूत करने और बेहतर पेशेंट केयर के लिए प्रैक्टिकल नॉलेज पाने में मदद मिली। विश्व सेप्सिस दिवस के तहत हॉस्पिटल ने क्रिटिकल केयर यूनिट में अटेंडेंट और विजिटर के लिए एक पेशेंट एंगेजमेंट प्रोग्राम भी आयोजित हुआ। मैनेजमेंट पर सिमुलेशन-बेस्ड डेमोस्ट्रेशन में सीपीआर, ईट्यूबेशन, ऑक्सीजन थेरेपी, सेंट्रल लाइन

मेडिकल आईसीयू डिपार्टमेंट के हेड और डायरेक्टर डॉ. अनिल कुमार ने बताया, 'सेप्सिस एक गंभीर और जानलेवा अंगों के डिस्फंक्शन से संबंधित बीमारी है, जो शरीर में संक्रमण के प्रति इम्यून सिस्टम की असामान्य प्रतिक्रिया के कारण होती है। इस दौरान शरीर के टिशू को नुकसान पहुंच सकता है और शरीर के ज़रूरी अंग ठीक से काम करना बंद कर सकते हैं। संक्रमण, अंगों में खराबी और मरीज की हालत बिगड़ने की

सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया में होगा वर्षावास कार्यक्रम
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उर्फ भंते प्रज्ञामित्र, अध्यक्ष श्याम गौरीगंज, अमेठी। सिरमौर बुद्ध



विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया अमेठी की सम्पन्न मासिक बैठक में निर्णय लिया गया कि 30 सितम्बर से चार अक्टूबर तक स्थानीय बुद्ध विहार में वर्षावास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मौजूद रहे संस्थान के पदाधिकारियों व सदस्यों में प्रबंधक सुखदेव बौद्ध

रामफल फौजी, कोषाध्यक्ष रामटल उर्फ भंते शीलरतन, रामसमुझ चौधरी हीरालाल, रामकिशोर, रामदेव अमीन बाबूलाल, नजर बौद्ध, छोटेलाल, नीरज बौद्ध, पद्मराम मास्टर, व के पी तैयारी आदि रहे। वर्षावास की तैयारी बैठक 28 सितम्बर को फिर से होगी।

मौत पर संवेदना, दावों पर सवाल: क्या निजी त्रासदी को कानूनी बचाव का हथियार बनाया जा रहा? भ्रष्टाचार प्रकरण में आरोपी निरीक्षक ओम नारायण गौतम की पत्नी के निधन के बाद सामने आए दावों की स्वतंत्र पड़ताल ज़रूरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। साइबर थाने के पूर्व प्रभारी निरीक्षक और वर्तमान में बलिया में तैनात बताए जा रहे ओम नारायण गौतम की पत्नी मंजुलता गौतम का शुक्रवार को निधन हो गया। बताया गया है कि वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रही थीं। उनके निधन पर संवेदना के साथ अब एक दूसरा महत्वपूर्ण सवाल भी सामने आया है—क्या उनकी बीमारी और मृत्यु को निरीक्षक गौतम के विरुद्ध चल रहे भ्रष्टाचार प्रकरण से जोड़कर सार्वजनिक सहानुभूति हासिल करने की कोशिश की जा रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी गंभीर बीमारी से हुई मृत्यु को किसी आपराधिक मुकदमे अथवा मानसिक तनाव का प्रत्यक्ष परिणाम बताने के लिए ठोस चिकित्सकीय और दस्तावेजी प्रमाण आवश्यक होते हैं। तीन वर्षों से उपचार का दावा- परिवार से संबंधित उपलब्ध जानकारी के अनुसार मंजुलता गौतम का लंबे समय से उपचार चल रहा था। उनके उपचार के संबंध में इस्टीमेट ऑफ़ लिवर एंड बाइलरी साइसेज के चिकित्सक

डीएम के निर्देश पर जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय शेषपुर, समोधा में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन, शिक्षण के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर निबन्ध प्रतियोगिता में 50 छात्रों ने किया प्रतिभाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशानुसार आज जय प्रकाश



नारायण सर्वोदय विद्यालय, शेषपुर, समोधा में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 50 छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान, तार्किक क्षमता, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी द्वारा तीन दिन पूर्व जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, शेषपुर, समोधा का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर, शिक्षण कक्ष, प्रयोगशाला, किचन, डायनिंग हॉल

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण, 17 सितंबर से शुरू होगी एफएलसी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को मुख्य



निर्वाचन अधिकारी 30 प्र0 लखनऊ वेड निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का आन्तरिक त्रैमासिक निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैंशलेस चिकित्सा योजना के तहत विशेष पंजीकरण अभियान आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं वाहिनी पीएसी



नैनी, प्रयागराज के वाहिनी सभागार में आज दिनांक 15 सितंबर 2026 को एक विशेष अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान सेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव

मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना था। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों, नवनियुक्त रिक्कूट आरक्षियों,

से विद्यार्थियों की रुचि एवं क्षमता को पहचानने तथा उनकी प्रतिभा को उचित दिशा देने में सहायता मिलेगी। जिलाधिकारी ने अपने निर्देशों में इस बात पर विशेष जोर दिया है कि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनकी रुचि, क्षमता एवं प्रतिभा के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए तथा जिस क्षेत्र में उनकी विशेष रुचि एवं क्षमता हो, उसमें आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। जिलाधिकारी का उद्देश्य है कि विद्यालय के विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान, सामान्य ज्ञान, तकनीकी एवं अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें और निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर अवसर एवं सकारात्मक वातावरण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के देश के कर्णधार हैं। यदि उन्हें प्रारंभ से ही अपनी प्रतिभा को पहचानने, उसे निखारने और आगे बढ़ाने के अवसर प्राप्त हों, तो वे भविष्य में अपने माता-पिता, शिक्षकों, जनपद, प्रदेश एवं देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

प्रयागराज में प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर एक महीने तक चलेंगे जनसेवा के आयोजन, 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम, सेवा और जागरूकता अभियानों पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गतिविधियों को पहुंचाने की रूपरेखा तैयार की गई है। विषय पर वाद-विवाद। नमो सेवा गाथा: सांस्कृतिक



के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न जनसेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत समाज के अलग-अलग वर्गों तक सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी

अभियान के प्रमुख कार्यक्रम- आशीर्वाद का दीया: दिव्यांग कल्याण, घरों में दीप प्रज्ज्वलन और प्रमुख स्थलों पर दीप जलाने के कार्यक्रम। 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत: विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिता, चित्र प्रदर्शनी और विकसित भारत

टोलियों का गठन, सार्वजनिक स्थलों पर मंचन और विशेष कार्यक्रम।

आंगन का उत्सव: आंगनबाड़ी केंद्रों पर उत्सव संवाद, महिला एवं बाल विकास की उपलब्धियों की जानकारी और बच्चों को सामग्री वितरण।

जीएलबीआईएमआर में एचआर कॉन्क्लेव 2026 - फ्यूचर ऑफ वर्क और स्किल्स-फर्स्ट लीडरशिप पर दिग्गजों का मंथन रील और एआई के दौर में करियर की असली उड़ान हुनर से होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मंगलवार को नोएडा जीएलबीआईएमआर में एचआर कॉन्क्लेव 2026 का सफल आयोजन हुआ। इस वर्ष की थीम रही - 'द फ्यूचर ऑफ वर्क: बिल्डिंग ऐजिल, स्किल-फर्स्ट ऑर्गेनाइजेशन'। कॉन्क्लेव में

मंत्र दिया - निष्पक्ष, तेज और दृढ़ रहें। लीडर की सबसे बड़ी सफलता अपने बाद नए लीडर तैयार करना है।' इस अवसर पर वीफ पैट्रन पंकज अग्रवाल, वाइस चेयरमैन, जीएलबीआईएमआर में हमारा कहना हमेशा से डिग्री से आगे, रोजगार-योग्य प्रतिभा तैयार



पीपल, पर्पस और परफॉर्मेंस पर केंद्रित भविष्य के कार्यस्थल की रूपरेखा पर गहन चर्चा हुई। कॉन्क्लेव में मौजूद शीर्ष नेतृत्व-वीफ पैट्रन: श्री पंकज अग्रवाल, वाइस चेयरमैन, जीएलबीआईएमआर में हमारा कहना हमेशा से डिग्री से आगे, रोजगार-योग्य प्रतिभा तैयार

करने का रहा है। एआई और रील के इस दौर में युवाओं को यह समझना होगा कि टेक्नोलॉजी दूर है, मंजिल नहीं। मंजिल है स्किल, सोच और चरित्र। दो पावर-पैक स्तर रहे आकर्षण का केंद्र: 1. पैनल डिस्कशन - 'नौकरी से कौशल तक' - वीर भारत, हेड एचआर बिजनेस पार्टनर, यामाहा मोटर सॉल्यूशंस इंडिया, सुश्री मुक्ता



प्रेसिडेंशियल एड्रेस: श्री सालिल लाल, एक्जीक्यूटिव ऑफिसर एवं सीएचआरओ, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, कीनोट स्पोकर्स: श्री विजय रंजन सिंह, हेड-एचआर, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स रहे। कॉन्क्लेव में देश की अग्रणी कंपनियों के एचआर लीडर्स ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया और एआई, बदलती वर्क कल्चर और भविष्य के रोजगार पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और अतिथि स्वागत के साथ हुआ। एनएचआरडीएन की ओर से श्री वीर भारत ने कार्यस्थल पर अनुशासन और कोड ऑफ कंडक्ट का महत्व बताया। जीएलबीआईएमआर में हमारा कहना हमेशा से डिग्री से आगे, रोजगार-योग्य प्रतिभा तैयार

खाम्बा, एम्प्लॉयबिलिटी रिलेशनशिप मैनेजर, वनस्टेप ग्लोबल, अग्निवेश ठाकुर, बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी लीडर, एक्सचेंजर,मॉडरेटर: आशुतोष, टैलेंट मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट। 2. प्लेनरी सेशन - फ्यूचर टैलेंट एक्विजिशन- प्रद्युम्न पांडे, वाइस प्रेसिडेंट, NHRDN दिल्ली एंड ई चैंपियन, धीरज मोदी, हेड टैलेंट एक्विजिशन (साउथ ईस्ट एशिया, ओशिनिया एंड इंडिया), एरिक्सन, सेशन होस्ट: डॉ. यगबाला कपिल, एसोसिएट प्रोफेसर, जीएलबीआईएमआर में हमारा कहना हमेशा से डिग्री से आगे, रोजगार-योग्य प्रतिभा तैयार

अब वैवाहिक आयोजनों के लिए नहीं जाना पड़ेगा शहर, सफरीपुर, अरंगी और कुदरी में जल्द शुरू होगा पंचायत उत्सव भवन का निर्माण, गेस्ट हाउस जैसी मिलेंगी सुविधाएं

पंचायत उत्सव भवन के निर्माण के लिए योगी सरकार ने 4.23 करोड़ रुपये किए स्वीकृत (आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ग्रामीण क्षेत्रों में शादी-विवाह, पारिवारिक समारोह और सामुदायिक आयोजनों के लिए अब ग्रामीणों को शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। योगी सरकार की पहल पर गांवों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त पंचायत उत्सव भवन विकसित किए जा रहे हैं। सोनभद्र में रॉबर्टसगंज और म्योरपुर विकासखंड की तीन ग्राम पंचायतों में पंचायत उत्सव भवन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। शासन की ओर से इनके निर्माण के लिए 4 करोड़ 23 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ वेड मृताबिक रॉबर्टसगंज विकासखंड की सफरीपुर और अरंगी तथा म्योरपुर विकासखंड की कुदरी ग्राम पंचायत में पंचायत उत्सव भवन का निर्माण करवाया जाएगा। निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत होने के बाद

17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक जनपद में चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान,'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दिया' थीम के साथ 17 सितम्बर को विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से जनपद में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान केंद्र सरकार के 12 वर्षों एवं राज्य सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से जनजीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को प्रामाणिक एवं प्रभावी ढंग से जनसामान्य के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के अंतर्गत किए गए नीतिगत सुधारों, जनहितकारी कार्यों तथा देश एवं प्रदेश में हुए महत्वपूर्ण बदलावों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को

विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। अभियान के माध्यम से युवा, महिला, किसान एवं वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर राष्ट्र निर्माण के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ते हुए उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लाभान्वित करने तथा योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि थीम 'सेवा दिवस-आशीर्वाद का दिया' के अंतर्गत 17 सितम्बर को जनपद में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जनपद के सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा महिला एवं पुरुष जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया जाएगा। विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को दूर किट का वितरण भी किया जाएगा। इसी क्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत, शहरी वार्ड एवं मलिन बस्तियों में दिव्यांग कल्याण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित कर दिव्यांगजनों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया जाएगा।

अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। पंचायत उत्सव भवनों को इस तरह विकसित किया जाएगा कि ग्रामीणों को एक ही स्थान पर मांगलिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। गेस्ट हाउस जैसी सुविधाएं, कम खर्च में आयोजन-जिलाधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शादी-विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के लिए अक्सर लोगों को निजी गेस्ट हाउस या शहर के मैरिज लॉन का सहारा लेना पड़ता है। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। पंचायत उत्सव भवन इस समस्या का स्थानीय स्तर पर समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। ग्रामीण इन भवनों का उपयोग साधारण यूनजर चार्ज देकर कर सकेंगे। इससे सीमित आय वाले परिवारों को भी सम्मानजनक तरीके से अपने पारिवारिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर मिलेगा। पंचायत उत्सव भवन केवल मांगलिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेंगे। इनका उपयोग ग्रामीण स्तर पर होने वाले सामुदायिक कार्यक्रमों, बैठकों और सामाजिक आयोजनों के लिए भी किया जा सकेगा। इससे गांवों में सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर आधारभूत ढांचा तैयार होगा। बिल्ली मारकुंडी में निर्माण शुरू-जिलाधिकारी ने बताया कि ओबरा विधानसभा क्षेत्र की बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत में पंचायत उत्सव भवन का निर्माण कार्य जून माह में ही शुरू कराया जा चुका है। इस भवन का निर्माण नवंबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद यहां के ग्रामीणों को भी स्थानीय स्तर पर मांगलिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए सुविधा उपलब्ध होगी।

वाराणसी आरटीओ कार्यालय के सामने जलभराव से दुकानदार परेशान, डीएम साहब एक नजर इधर भा

तीन साल पहले बनी सड़क और सर्विस लेन, नाला नहीं बनने से घर-दुकानों में घुस रहा बरसाती पानी, दुकानदारों ने चूदा जुटाकर मशीन से कराई नाले की सफाई, स्थायी समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। बाबतपुर से वाराणसी जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे हरहुआ क्षेत्र के जमालपुर स्थित संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के

दुकानदारों ने चूदा जुटाकर कराई सफाई-जलनिकासी की समस्या से परेशान दुकानदारों ने आपसी सहयोग से चूदा जुटाया और मशीन लगाकर करीब 100 मीटर नाले की सफाई कराई। इसके

प्रतिष्ठानों के अलावा रमईपट्टी, जमालपुर समेत आसपास के कई गांवों के लोगों को भी जलभराव के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। दुकानदारों के अनुसार जलनिकासी की समस्या को लेकर



सामने जलनिकासी की बहाल व्यवस्था से दुकानदारों और आसपास के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सड़क और सर्विस लेन बने करीब तीन वर्ष से अधिक बीतने के बावजूद जलनिकासी के लिए समुचित नाला नहीं बनाए जाने से बारिश का पानी आरटीओ कार्यालय के आसपास की दुकानों, मकानों और रास्तों में जमा हो रहा है। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। जलभराव से नाराज ग्रामीणों ने नाले में खड़े होकर विरोध जताया और सवाल उठाया कि जब सड़क और सर्विस लेन का निर्माण कराया गया तो जलनिकासी के लिए नाला क्यों नहीं बनाया गया। लोगों का कहना है कि बारिश के बाद कई दिनों तक पानी जमा रहने से आवागमन प्रभावित होता है और दुकानों तक ग्राहकों का पहुंचना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई स्थानों पर नाला जाम पड़ा है। वहीं, कुछ जगह नाले पर अतिक्रमण और पुलिया बनाए जाने के कारण पानी का प्रवाह बाधित है। लंबे समय तक पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की भी आशंका बनी हुई है।

बावजूद आगे कई स्थानों पर नाला बंद होने के कारण पानी की निकासी सुचारु नहीं हो सकी। दुकानदारों का कहना है कि दुकानों में पानी रोजी-रोटी का प्रमुख साधन है। जलभराव के कारण करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त रामचंद्र पटेल ने बताया कि सर्विस लेन तो बना दी गई, लेकिन जलनिकासी के लिए नाले की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। आगे बनी कई पुलिया जाम हैं और कुछ स्थानों पर अतिक्रमण के कारण नाले का रास्ता बंद है। उन्होंने बताया कि आरटीओ कार्यालय के ठीक सामने उनके करीब दस कमरे बने हैं, जिनमें बरसात के दौरान तीन से चार फीट तक पानी भर जाता है। उनका कहना है कि यह बाढ़ का पानी नहीं, बल्कि बारिश का पानी है, जिसकी निकासी नहीं होने से लंबे समय तक जमा रहता है। इसके चलते उन्हें दूसरे स्थान पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है। कई गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित-आरटीओ कार्यालय के आसपास स्थित मकानों और व्यावसायिक

कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है। दर्जनों लोगों ने जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से जिलाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। स्थानीय लोगों ने जाम नालों की तत्काल सफाई,

नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाने तथा सर्विस लेन के किनारे समुचित नाला निर्माण कराकर स्थायी जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

दुकानदारों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। इस संबंध में होशील पाल, जयप्रकाश, राजेंद्र प्रसाद, सुहेल, राजेश, श्याम सुंदर यादव, शिवम केशरी, भारत राम, राजेश कुमार, छविनाथ पाल, मदनलाल, मोहन, अनिल कुमार, वीरेंद्र पाल और सुरेंद्र पाल समेत अन्य लोगों ने जनसुनवाई के माध्यम से जिलाधिकारी को पत्रक देकर कार्रवाई की मांग की है।

सेठी मैक्स रॉयल ने भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ मनाया गणेश पूजा का 12वां वर्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेंक्टर 76, नोएडा स्थित

समिति के सदस्य श्री देवदत्त दास ने उद्घाटन भाषण दिया।



सेठी मैक्स रॉयल की 'गणेश पूजा समिति' ने सोमवार, 14 सितंबर 2026 को बेहद धूमधाम के साथ अपनी गणेश पूजा उत्सव के लगातार 12 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इस ऐतिहासिक अवसर पर सोसाइटी में एक शानदार सांस्कृतिक संध्या, सामुदायिक भोज (महाप्रसाद) और पारंपरिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम कवी शुरुआत शाम 07:25 बजे सोसाइटी परिसर के मंदिर एनेक्स (Mandir Annexe) में हुई। इस शाम को मुख्य अतिथि अनूप कुमार सिंह (सर्किल हेड नोएडा, पंजाब नेशनल बैंक) और नलिनी दास (डिप्टी सर्किल हेड नोएडा, पंजाब नेशनल बैंक) के साथ-साथ विशिष्ट अतिथि एफसीए (डॉ.) मनोरंजन मोहंती (अध्यक्ष, सामुदायिक विकास समिति, नोएडा) ने अपनी उपस्थिति से गौरवान्वित किया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं- दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत भाषण: शाम 07:35 बजे पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के बाद, आयोजन

उन्होंने आए हुए अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और



निवासियों को इस पावन अवसर की बधाई दी। बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम: सेठी मैक्स रॉयल के बच्चों ने शाम 07:45 बजे से रात 09:45 बजे तक मंत्रमूर्धन्य कर देने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस पूरे कार्यक्रम का सफल समन्वय (coordination) श्रीमती स्नेहांजलि, श्रीमती इतिश्री, श्रीमती सस्मिता, श्रीमती व्यक्त की। प्रतिभागियों का सम्मान: कार्यक्रम के समापन पर सोसाइटी के वरिष्ठ नागरिकों और आयोजन समिति की महिलाओं ने युवा कलाकारों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस पूरे कार्यक्रम का दुनिया भर के दर्शकों के लिए सीधा प्रसारण (लाइव ब्रॉडकास्ट) भी किया गया था।

गणेश चतुर्थी के पूर्व संध्या पर चिन्मय मिशन नोएडा में गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने छोटे बच्चों को वितरित किए खिलौने

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मंगलवार को भारतीय

भगवान गणेश की तरह हर वक्त खुश रहने की बात कही, और

प्राप्त किया जा सकता है। इस मौके पर आश्रम आचार्य स्वामी



जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने नोएडा सेंक्टर 37 स्थित चिन्मय मिशन में बाल विहार के बच्चों को गणेश चतुर्थी के पूर्व संध्या पर खिलौने का वितरण किया। उन्होंने इस मौके पर बच्चों के बीच में

सदा भगवान को भक्ति करने की प्रेरणा दी।

जीवन में अनुशासन, नियमित व्यायाम और मनोरंजन के माध्यम से शरीर को स्वस्थ और निरोगी रखकर जीवन में अपने हर लक्ष्य को आसानी से

चिद रूपानंदजी महाराज, खिलौना उद्यमी पवन अग्रवाल और हरवीर यादव जी, बाल विहार स्वयंसेवी अनुश्री जी, मोनिका जी सहित 70 बच्चों को खिलौनों का वितरण किया गया, सभी बच्चे बहुत प्रसन्न रहे।

आईएमएस नोएडा में बॉलीवुड थीम पर सजा कैपस, छात्रों ने रेड कार्पेट वॉक कर किरदारों को किया जीवंत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेंक्टर-62 स्थित

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राएं अपने पसंदीदा बॉलीवुड पात्रों और

किया। शानदार परिधानों, आकर्षक अंदाज और उत्साहपूर्ण



आईएमएस नोएडा में छात्रों ने रेड कार्पेट वॉक कर बॉलीवुड किरदारों को किया जीवंत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने पसंदीदा सितारों और फिल्मों के लोकप्रिय किरदारों का रूप धारण कर अपनी प्रस्तुती दी। आज के कार्यक्रम के दौरान छात्रों की रचनात्मकता, अभिनय प्रतिभा और शानदार अंदाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। आईएमएस कल्चरल क्लब की हेड मीतु चौधरी ने बताया कि

सितारों के प्रतिष्ठित लुक में नजर आए।

पूरे कैपस में ग्लैमर, उत्साह और रचनात्मकता का माहौल देखने को मिला। छात्रों ने विभिन्न लोकप्रिय बॉलीवुड संवादों की शानदार प्रस्तुति देकर अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन किया और यादगार किरदारों को जीवंत किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रेड कार्पेट वॉक रहा, जिसमें छात्रों ने पुरे आत्मविश्वास के साथ अपने बॉलीवुड-प्रेरित लुक का प्रदर्शन

भाग्यदारी ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। छात्रों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कार्यक्रम को जीवंत एवं मनोरंजक बनाया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

इस आयोजन के माध्यम से छात्रों ने अभिनय, फैशन और प्रदर्शन कला के साथ बॉलीवुड के प्रति अपने प्रेम को भी प्रदर्शित किया।

कोन का कोना कोना होगा प्रदूषण मुक्त-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन का कोना कोना होगा प्रदूषण मुक्त-संदीप मिश्र



के चेहरा डीह में पेड़ हैं तो प्राण हैं के तहत सभी परिवार जनों को आम व अमरुद के फलदार पेड़ वितरित कर लोगों से किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र ने कहा कि जनपद सोनभद्र को प्रदूषण मुक्त करने का आन्दोलन है जो अब जनान्दोलन का रूप ले चुका है आने वाले समय में सोनभद्र प्रदूषण मुक्त होकर रहेगा कोई शक्ति कोई व्यक्ति इसे रोकने वाला नहीं है। वही पियुषा जायसवाल ने कहा

रहे हैं जिससे प्रदूषण मुक्त हो कोन अपना। प्रिन्स चौबे ने कहा कि यह आन्दोलन सोनभद्र से रावण रूपी प्रदूषण से मुक्ति का आन्दोलन है। रामकृष्ण नारायण गुप्ता ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में हम सभी नौजवान कन्धे से कन्धा मिलाकर चलेंगे। आज के कार्यक्रम में रामसनेही जायसवाल कमलेश चौबे रजन पाण्डेय कृष्ण कान्त विश्वकर्मा श्यामसुन्दर गुप्ता व सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

थाना पिपरी पुलिस द्वारा 01 नफर वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में वारंटी/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी

पिपरी श्री हर्ष पाण्डेय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना पिपरी पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 140/2019, धारा 323, 504, 506 भादवि से संबंधित 01 नफर वारंटी अभियुक्त सूरज पुत्र दयाशंकर यादव, निवासी लोक कॉस्ट

हाउस, न्यू बाजार, बिरला कॉलोनी, रेणुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय के

समक्ष प्रस्तुत करने हेतु रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-सूरज पुत्र दयाशंकर यादव निवासी लोक कॉस्ट हाउस, न्यू बाजार, बिरला कॉलोनी, रेणुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र उम्र

लगभग 26 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 जितेन्द्र सरोज चौकी प्रभार रेणुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का10 शंकर लाल चौकी रेणुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र।

विन्ध्य क्षेत्र के ग्रामों में 15 प्रतिशत तक औसत वृद्धि, जनहित और क्षेत्रीय संतुलन के साथ सोनभद्र की नई मूल्यांकन सूची तैयार, कई क्षेत्रों में दरें यथावत

विन्ध्य क्षेत्र के ग्रामों में 15 प्रतिशत तक औसत वृद्धि, क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप तय की गई मूल्यांकन दरें, 16 सितम्बर से प्रभावी होगी नई मूल्यांकन सूची, तहसील के नोटिस बोर्ड एवं राजस्व विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी दरें-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को जनपद सोनभद्र में भूमि एवं संपत्तियों की मूल्यांकन दरों को जनहित, व्यावहारिकता और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप संतुलित रखते हुए नई मूल्यांकन सूची को अंतिम रूप दिया गया है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ द्वारा आवश्यक परिवर्तनों एवं निस्तारण के पश्चात उप

संशोधन आवश्यक पाया गया, वहां मात्र 3 से 10 प्रतिशत तक

करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पूरी



वृद्धि की गई है। विन्ध्य क्षेत्र के ग्रामों में 5 से 15 प्रतिशत तक औसत वृद्धि नई मूल्यांकन सूची में विन्ध्य क्षेत्र के ग्रामों की मूल्यांकन दरों में 5 से 15 प्रतिशत तक औसत वृद्धि की गई है। क्षेत्र की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह संशोधन किया गया है, ताकि मूल्यांकन दरें संतुलित एवं व्यावहारिक बनी रहें। जिलाधिकारी ने बताया कि नई मूल्यांकन सूची के प्रभावी होने के बाद आमजन को अपने क्षेत्र की दरों की जानकारी प्राप्त

व्यवस्था की गई है। संशोधित मूल्यांकन दरें संबंधित तहसील के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएंगी तथा राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि नई मूल्यांकन सूची में जनहित के साथ क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। जहां वृद्धि की आवश्यकता नहीं थी, वहां दरों को यथावत रखा गया है और जहां संशोधन जरूरी था, वहां भी संतुलित वृद्धि करते हुए मूल्यांकन सूची को अंतिम रूप दिया गया है।

राजमार्गों के ब्लैक स्पॉट एवं गोवंश बहुल क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए दुर्घटना संभावित स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश चेतावनी संकेतक एवं रिफ्लेक्टिव साइनेज लगाया जाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक अपर

के संयुक्त समन्वय स्थापित कर सड़क पर विचरण करने वाले गोवंश को सुरक्षित गो आश्रय

के कारण दुर्घटना भी बाधित होती है और आसपास के व्यापारियों में नागरिकों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है। इसके लिए निर्धारित स्थान या यार्ड चिन्हित किया जाए। प्रितपाल सिंह ने रोडवेज बस स्टैंड का मुद्दा उठाते हुए कहा कि करोड़ों रुपए के लागत से रोडवेज बस स्टैंड बनने के बावजूद बस फ्लाई ओवर के नीचे खड़ी हो रही है जबकि इस संबंध में उद्योग बंधु की बैठक में जिलाधिकारी महोदय को भी संज्ञान में दिया गया था और उन्होंने एक संयुक्त टीम बनाकर के विभागों को आदेशित भी किया था परंतु किन कारणों से पुनः बसे वहीं फ्लाई ओवर के नीचे खड़ी होने लगी। उन्होंने कहा कि अभी



पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुद्रवाल की अध्यक्षता में पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि जनपद सोनभद्र के विभिन्न राजमार्गों पर बड़ी संख्या में गोवंश सड़क पर बैठे रहते हैं विशेष कर रात्रिकाल में जब दुर्घटना कम होती है जिसके कारण दुर्घटनाओं में आए दिन गायों की मृत्यु हो रही है वहीं दूसरी ओर वाहन चालक एवं यात्रियों का जीवन संकेत में पड़ जाता है निश्चित रूप से हमारे संरक्षण तंत्र की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। शर्मा ने सुझाव देते हुए कहा कि राजमार्गों के ब्लैक स्पॉट एवं गोवंश बहुल क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए दुर्घटना संभावित स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश चेतावनी संकेतक एवं रिफ्लेक्टिव साइनेज लगाया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित नगर निकाय, ग्राम पंचायत एवं पशुपालन विभाग

स्थलों तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाए। जिला अध्यक्ष ने



कहा कि नगर के विभिन्न क्षेत्रों में हीरोइन की बिक्री धड़ल्ले से जारी है जिसके कारण चोरी की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। शर्मा ने कहा कि कोतवाली के सामने फ्लाईओवर के नीचे सीज वाहनों को खड़ा किया जा रहा है जिसकी आड़ में असामाजिक तत्वों नशेदियों को छुपने का अवसर मिल रहा है फ्लाईओवर के नीचे खड़े वाहनों

कुछ दिनों पर पूर्व रंबल स्ट्रिप पर मोटरसाइकिल से एक डॉक्टर के गिर जाने से मौत हो गई थी। किसी भी रंबल स्ट्रिप पर ना तो पेंटिंग की गई है न ही रेडियम लगाया गया है। बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के राजेश जायसवाल, यशपाल सिंह, नागेंद्र मोहनवाल, विनय जायसवाल, आदि व्यापारी संगठन के लोग उपस्थित रहे।

पूर्व महामंत्री प्रदीप मोर्य सर्वसम्मति से बनाए गए प्रवक्ता- डीबीए सोनभद्र की आम सभा की बैठक में कार्यवाहक प्रभारी महामंत्री और प्रवक्ता का दायित्व दिया गया रॉबर्टसगंज कचहरी परिसर स्थित डीबीए भवन में हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार

महामंत्री की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से संतोष कुमार यादव

अधिवक्ताओं ने लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए संगठन की एकजुटता, गरिमा और अधिवक्ता हितों के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र अधिवक्ताओं की एकजुटता और सम्मान का मजबूत मंच है। आम सभा द्वारा लिए गए निर्णय संगठन को व्यवस्थित एवं मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सभी पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं को आपसी समन्वय और भाईचारे के साथ अधिवक्ता हितों के लिए कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर



एसोसिएशन सोनभद्र की आम सभा की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को रॉबर्टसगंज कचहरी परिसर स्थित डीबीए भवन में बुलाई गई, जिसमें सर्वसम्मति से पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार मोर्य को प्रवक्ता एवं संतोष कुमार यादव एडवोकेट व चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट को संयुक्त रूप से कार्यवाहक प्रभारी महामंत्री का दायित्व दिया गया है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण वुमवार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। बैठक का संचालन पवन कुमार सिंह एड ने किया। बैठक में अधिवक्ताओं एवं संगठन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया तथा आम सभा द्वारा सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। संगठन के संचालन एवं अधिवक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्यवाहक प्रभारी

एडवोकेट एवं चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट को दी गई। वहीं,



संगठन की गतिविधियों एवं बार एसोसिएशन की नीतियों को प्रभावी ढंग से अधिवक्ताओं एवं आमजन तक पहुंचाने के लिए पूर्व महामंत्री प्रदीप कुमार मोर्य एडवोकेट को प्रवक्ता का दायित्व सौंपा गया है। बैठक में उपस्थित

हीरालाल पटेल, राजेश यादव, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, वीरेंद्र कुमार राव, चंद्र प्रकाश सिंह, विमल प्रसाद सिंह, सुरेश कुशवाहा, रामगुल्लो, अभिषेक मोर्य, अनुराग पाण्डेय, राकेश सिंह, विनीता आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

‘विकसित भारत विजय’ से राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनेंगे युवा, 30 सितम्बर तक करें प्रतिभाग, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार एवं नवाचार प्रस्तुत करने का मिलेगा अवसर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने तथा उनके नेतृत्व, नवाचार एवं रचनात्मक विचारों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित ‘विकसित भारत विजय’ में जनपद के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की गई है। जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, सोनभद्र ने 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं से इस राष्ट्रीय पहल में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन वर्ष 1995 से प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर किया जाता रहा है। वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री के निर्देशन में राष्ट्रीय युवा महोत्सव को नया स्वरूप देते हुए ‘विकसित भारत युवा नेतृत्व

संवाद’ के रूप में आयोजित किया गया। इसी क्रम में 30वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद-2027 का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर देने के साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, नवाचार, रचनात्मक चिंतन एवं समाधान आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के तहत आयोजित ‘विकसित भारत विजय’ युवाओं को देश के भविष्य को आकार देने और ‘विकसित भारत 2047’ की परिकल्पना से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी। यह प्रश्नोत्तरी 22 भाषाओं में आयोजित की जा रही है। पांच चरणों में होगा विकसित भारत युवा संवाद-प्रथम चरण-

प्रश्नोत्तरी (17 अगस्त-30 सितम्बर 2026): विकसित भारत एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर प्रश्नोत्तरी में प्रतिभाग। द्वितीय चरण-निबंध लेखन (05-09 अक्टूबर 2026): चयनित युवा विकसित भारत से जुड़े विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत करेंगे। तृतीय चरण-जिला स्तरीय प्रतियोगिता (10-16 नवम्बर 2026): प्रतिभागि अपने विचारों, नवाचारों एवं समाधानों का प्रस्तुतीकरण करेंगे। चतुर्थ चरण-राज्य स्तरीय युवा संवाद (17 नवम्बर-07 दिसम्बर 2026): जिला स्तर पर चयनित युवा राज्य स्तर पर अपने विचार एवं कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे। पंचम चरण-राष्ट्रीय युवा संवाद (10-12 जनवरी 2027): राज्य स्तर से चयनित युवाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपने विचार एवं नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।





स्पोर्ट्स

बाल झड़ने के 10 बड़े कारण, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें बालों को कैसे हेल्दी रखें, कैसे केयर करें, डाइट में क्या खाएं

नयी दिल्ली। बाल हमारे व्यक्तित्व का अहम हिस्सा हैं। घने, मजबूत और चमकदार बाल न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि अच्छी सेहत की भी निशानी होते हैं। अचानक बालों का झड़ना चिंता का विषय है। अक्सर लोग इसका दोष मौसम, पानी या शैंपू को देते हैं। जबकि कई बार समस्या की जड़ शरीर में होती है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अचानक और ज्यादा बाल झड़ना अक्सर हेयर फॉल बढ़ा है। यह अक्सर 'टेलोजन एफ्लुवियम' होता है। इसमें मुट्ठी भर बाल गिरते हैं, लेकिन स्कैल्प पर पैच नहीं बनते। 2) न्यूट्रिशन की कमी- बाल पतले, बेजान और आसानी से टूटने लगे। साथ में थकान, चक्कर या कमजोरी हो। यह आयरन, प्रोटीन, विटामिन बी12/डी की कमी का संकेत हो सकता है। 3) हार्मोनल बदलाव (थायरॉइड/पीएमओएस) हेयर फॉल के साथ वजन में बदलाव, अनियमित पीरियड्स, मुहासे या चेहरे पर कम यून करें। केमिकल ट्रीटमेंट न कराएं। गीले बालों में कंधी न करें। वाइड-टूथ कंधी यूज करें। अचानक कैंश डाइटिंग न करें। सवाल- कब तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए? जवाब- इन कंडीशंस में डर्मेटोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना जरूरी है-स्कैल्प में तेज खुजली, रेडनेस, दर्द हो। डेली मुट्ठी भर बाल निकलें। कुछ हफ्तों में ही बालों की डेंसिटी काफी कम हो जाए। स्कैल्प पर पैच दिखें। अचानक वजन घटने लगे। डैड्डफ के साथ इन्फेक्शन दिखे।



'टेलोजन एफ्लुवियम' नाम की हेल्थ कंडीशन से जुड़ा होता है। इसमें स्ट्रेस, पोषक तत्वों की कमी या हार्मोनल बदलाव के कारण बड़ी संख्या में बाल समय से पहले झड़ने लगते हैं। हालांकि अच्छी बात यह है ज्यादातर मामलों में सही कारण का पता लगाकर और लाइफस्टाइल में कुछ जरूरी बदलाव करके इस समस्या को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हेयर फॉल की समस्या को विस्तार से समझेंगे। साथ ही जानें कि-अचानक बाल झड़ने के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? हेयर फॉल कम करने के लिए कौसी डाइट लेनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. भावुक धीर, कंसल्टेंट- डर्म टोलॉजी, पीएसआरआई हॉस्पिटल, नई दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब का माध्यम से। सवाल- अगर अचानक बहुत ज्यादा बाल झड़ने लगे तो इसके पीछे क्या संभावित कारण हो सकते हैं? जवाब- इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हेयर ट्रीटमेंट, बार-बार कलरिंग या हीट स्टाइलिंग से बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। वहीं महिलाओं में प्रेनेसी के बाद कुछ समय तक बाल ज्यादा झड़ते हैं। इन कारणों से झड़ सकते हैं बाल- स्ट्रेस-अचानक कोई तनाव इमोशनल शॉक, न्यूट्रिशन-अनियमित, अनहेल्दी खानपान आयरन, प्रोटीन की कमी विटामिन बी12, डी की कमी, हार्मोनल बदलाव-थायरॉइड पीसीओएस/पीसीओडी पोस्ट-प्रेग्नेसी, बीमारी/इन्फेक्शन-डेंगू, कोविड, टाइफाइड स्कैल्प फंगल इन्फेक्शन, दवाइयों के साइड इफेक्ट- एंटी-डिप्रेसेंट, बीपी, थायरॉइड की दवाएं कीमोथेरेपी दवाएं स्कैल्प प्रॉब्लम डैड्डफ (रूसी) सोरायसिस स्कैल्प में सूजन/खुजली, हेयर ट्रीटमेंट-हीट स्टाइलिंग केमिकल ट्रीटमेंट बोटिंग (कलर) टाइड हेयरस्टाइल-जेनेटिक कारण परिवार में गंजोपन की हिस्ट्री, मौसम- मौसम बदलने पर टेम्परेरी हेयर शेडिंग। सवाल- हेयर फॉल के कारण को कैसे पहचानें? जवाब- इसका सबसे सही तरीका है पैटर्न, टाइमिंग और साथ में दिख रहे लक्षणों को जांचकर देखना। इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1) स्ट्रेस/इमोशनल शॉक-अगर 2-3 महीने पहले किसी इमोशनल शॉक से गुजरे हैं। अब अचानक

अनचाहे बाल आए। ये हार्मोनल इश्यू जैसे पीएमओएस (पोलीएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवररियन सिंड्रोम) या थायरॉइड का संकेत है। 4) बीमारी/ इन्फेक्शन के बाद-डेंगू, कोविड, टाइफाइड जैसी बीमारी के 1-2 महीने बाद अचानक ज्यादा बाल झड़े। यह भी 'टेलोजन एफ्लुवियम' का क्लासिक पैटर्न है। 5) दवाइयों के साइड इफेक्ट-अगर नई दवा शुरू करने के बाद हेयर फॉल बढ़े तो टाइमिंग देखें। अक्सर दवा शुरू होने के कुछ हफ्तों में असर दिखता है। 6) स्कैल्प प्रॉब्लम-खुजली, रेडनेस, फ्लेक्स (रूसी), दर्द या पपड़ी दिखे। यह डैड्डफ, फंगल इन्फेक्शन जैसी समस्या का संकेत है। 7) हेयर ट्रीटमेंट/ हेयरस्टाइल-अगर टाइड पोनीटेल, हीट या केमिकल ट्रीटमेंट के बाद हेयरलाइन पतली हो रही है। यह टूथशन (खिंचाव) हेयर लॉस का संकेत है। 8) जेनेटिक कारण- धीरे-धीरे हेयरलाइन पीछे जाए और पार्टिंग चौड़ी हो। यह पैटर्न अगर परिवार में भी है तो 'एंड्रोजेनेटिक

सवाल- नॉर्मल हेयर फॉल किना होता है? जवाब- डेली 50-100 बाल झड़ना सामान्य माना जाता है। दरअसल, हमारे बाल ग्रोथ के अलग-अलग फेज (एनाजेन, कैटाजेन, और टेलोजेन) में रहते हैं। हर समय लगभग 10फीसदी बाल 'टेलोजन फेज' (शेडिंग फेज) में होते हैं। सवाल- हेयर फॉल और हेयर लॉस में क्या फर्क है? जवाब- इसका अंतर बालों के हेयर ग्रोथ साइकिल और फॉलिकल के पैटर्न से समझा जाता है, जैसेकि- हेयर फॉल, यह नॉर्मल और टेम्परेरी होता है। डेली लगभग 50-100 बाल गिरते हैं। बाल गिरने के बाद नए बाल वापस उग आते हैं। यह मौसम में बदलाव, स्ट्रेस, अनहेल्दी डाइट या हार्मोनल इंबैलेंस की वजह से होता है। बालों की डेंसिटी पर ज्यादा असर नहीं पड़ता। हेयर लॉस-यह लॉन्ग-टर्म या प्रोग्रेसिव समस्या है। बाल गिरने के साथ-साथ नए बाल ठीक से नहीं आते। बाल धीरे-धीरे पतले होते हैं और स्कैल्प दिखने लगती है। जेनेटिक्स और मैनीमिडम जैसे मिनरल ज्यादा होते हैं। ये



एलोपेशिया' का संकेत है। 9) मौसम बदलना-अगर कुछ हफ्तों के लिए ही हेयर फॉल बढ़े और फिर खुद ठीक हो जाए तो यह सीजनल शेडिंग है। सवाल- हेयरफॉल को रोकने के लिए क्या करें? जवाब- सही हेयर केयर और हेल्दी लाइफस्टाइल से हेयर फॉल को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। हेयरफॉल रोकने के लिए क्या करें-न्यूट्रिशिय खाना खाएं। पर्याप्त पानी पिएं। स्कैल्प को साफ रखें। हफ्ते में 2 बार शैंपू करें। माइल्ड शैंपू यूज करें। डैड्डफ न होने दें। रेगुलर ऑयलिंग/ मसाज करें। स्ट्रेस कंट्रोल में रखें। टाइड पोनीटेल/जूड़ा न बनाएं। स्ट्रेटनर, कलर

थायरॉइड, न्यूट्रिशन की कमी, ऑटोइम्यून डिजीज की वजह से होता है। इसमें हेयरलाइन पीछे जाना या पैच में गंजोपन दिख सकता है। सवाल- क्या मौसम बदलने पर भी बाल झड़ते हैं? जवाब- हां, इसे 'सीजनल हेयर फॉल' कहते हैं। मौसम में बदलाव बालों की ग्रोथ साइकिल को प्रभावित करता है। यह आमतौर पर 2-6 हफ्तों में अपने-आप ठीक हो जाता है और नए बाल उगने लगते हैं। मौसम बदलने पर बालों का नेचुरल साइकिल डिस्टर्ब हो सकता है। इससे एक साथ ज्यादा बाल गिरने लगते हैं। यह आमतौर पर कुछ हफ्तों में सामान्य हो जाता है, लेकिन लंबे समय तक ज्यादा

रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हुए संजू सैमसन,भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 हारने वाली टीम बनी अफगानिस्तान

नयी दिल्ली। भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में टी-20 मैच हारने वाली टीम बन गई है। अफगानिस्तान ने 2010 से 2026 के बीच भारत के



अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। मैच में फिफ्टी लगाने वाले भारतीय ओपनर संजू सैमसन अब रोहित शर्मा के क्लब में शामिल हो गए हैं। वे बतौर ओपनर टी-20 इंटरनेशनल मैचों में हजार रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बन गए। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार 10वां टी-20 मैच जीता। यह भारत का किसी एक टीम के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी-20 जीत का रिकॉर्ड है। इसके अलावा मैच में कई इंटरस्टिंग मोमेंट्स भी देखने को मिले। राशिद खान के एक ही ओवर में अभिषेक शर्मा और सैमसन छक्का लगाने के बाद अगली ही गेंद पर आउट हो गए। 1. बतौर ओपनर हजार रन पूरे करने वाले पांचवे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 1,026 रन हैं। रोहित शर्मा 3750 रन के साथ इस मामले में पहले स्थान पर हैं। 2. भारत से लगातार 10वां टी-20 हारा अफगानिस्तान-अफगानिस्तान

बीट हो गए। ऐसे ही अगली 5 गेंद पर भी रन नहीं बना। आखिरी गेंद बुमराह ने यॉर्कर डाली, जिसपर जादरान सिर्फ बल्ला ही लगा सके। उन्होंने बैक दू द बॉलर खेला। 2. गुरबाज लगातार दूसरे मैच में बिना खाता खोले आउट-अफगानिस्तान के



विशेष्ठता पर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हुए।



हासिल करने वाले पहले अफगान क्रिकेटर भी हैं। उनके नाम 2,501 रन और 111 विकेट हैं। यहां से टॉप मोमेंट्स:- 1. बुमराह ने पहला ओवर में डाला:-बुमराह ने मैच के पहले



ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा

दूसरे ओवर में अर्शदीप सिंह ने उन्हें कैंच आउट कराया। अर्शदीप सिंह ने ओवर की तीसरी गेंद धीमी और शॉर्ट लेंथ डाली। गुरबाज ने फ्लैट-बैट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन टॉप-एज लगा और गेंद मिड-ऑन पर गई। वहां खड़े रवि बिश्नोई ने आसानी से कैंच कम्प्लीट किया। गुरबाज सिर्फ 3 गेंद खेल सके। पिछले मैच में भी वे 2 गेंद पर बिना रन बनाए आउट हुए थे। 3. नीतीश रेड्डी ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लिया:-नौवें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी ने अपनी पहली ही गेंद पर इब्राहिम जादरान को आउट किया। उनकी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर जादरान ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद डीप मिड-विकेट की ओर गई। वहां खड़े रवि बिश्नोई ने बाउंड्री के पास शानदार कैंच पकड़ कर जादरान 33 गेंद पर 37 रन

जोस बटलर ने रोहित को पीछे छोड़ा,ब्रुक का 42 गेंद में शतक, इंग्लैंड की टी-20 में श्रीलंका पर लगातार 13वीं जीत

स्पोर्ट डेस्क। इंग्लैंड ने मंगलवार को पहले टी-20 मुकाबले में श्रीलंका को 119 रन से हरा दिया। यह इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मैच में लगातार 13वीं जीत है। हैरी ब्रुक ने साउथैम्पटन में खेले गए इस



मुकाबले में 42 गेंद पर शतक जमाया। उन्होंने इस पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। जोस बटलर ने 80 रन की पारी खेली। बटलर ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। उनके 161 मैचों में 4,292 रन हैं। रोहित के नाम 4,231 रन हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम 4,596 रन के साथ इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। कप्तान ब्रुक और बटलर की बदौलत इंग्लैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 19 ओवर में 135 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्रुक को फ्लयर ऑफ द मैच चुना गया। ब्रुक का इंग्लैंड के लिए जॉइंट दूसरा सबसे तेज टी-20 शतक- हैरी ब्रुक ने 49 गेंदों में नाबाद 51 रन दिए। तीसरा भी इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सके। इंग्लैंड ने लगातार बड़े शॉट लगाए और 254 रन का स्कोर खड़ा किया।

सैमसन ने वैभव के लिए छोड़ी थी ओपनिंग,18 महीने में बदली पूरी कहानी, वर्ल्ड कप के फ्लयर ऑफ द टूर्नामेंट के सामने 15 साल का आईपीएल ऑरेंज कैप विजेता

स्पोर्ट डेस्क। करीब 18 महीने पहले राजस्थान रॉयल्स में संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी की कहानी शुरू हुई थी। तब संजू टीम के कप्तान थे और 14 साल के वैभव सीरीज में फ्लयर ऑफ द सीरीज रहे। वैभव को बाहर बैठना पड़ा। दूसरे टी-20 में सैमसन ने 22 गेंद पर 57 रन की पारी खेलकर अपनी दावेदारी का जवाब बल्ले से दिया। कहानी शुरू हुई थी सैमसन की चोट से-आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान सैमसन चोट के कारण लंबे समय के लिए बाहर हुए। उस समय 14 साल के वैभव को टीम में मौका मिला। युवा बल्लेबाज ने मौके को तुरंत भुनाया। छह के अपने तीसरे मैच में ही संजुरी लगा दी। इसके बाद राजस्थान के लिए सवाल यह नहीं रहा कि वैभव को टीम में रखा जाए या नहीं, बल्कि यह था कि उसे बल्लेबाजी में कहाँ उतारा जाए। सैमसन की वापसी के बाद भी वैभव ओपनिंग के लिए तैयार थे। सैमसन ने अपनी ओपनिंग पोजिशन वापस लेने के बजाय नंबर-3 पर बल्लेबाजी की। यही वह मोड़ था जहां दोनों के बीच क्रिकेट का रिश्ता सिर्फ सीनियर-जूनियर नहीं रहा। सैमसन ने एक तरह से वैभव को जगह बनाने का मौका दिया और वैभव ने अपने प्रदर्शन से उस भरोसे को सही साबित किया। फिर वैभव ने आईपीएल में ऐसा खेला कि टीम इंडिया का दरवाजा खुल गया-आईपीएल 2026 वैभव के करियर का बड़ा मोड़ रहा। सिर्फ 15 साल की उम्र में उन्होंने 776 रन बनाए। उनका औसत 48.5 और स्ट्राइक रेट 237.3 रहा। इस प्रदर्शन के साथ वे टूर्नामेंट के ऑरेंज कैप विजेता बने।



ने उनके चोटिल होने के बाद आईपीएल में कदम रखा था। वैभव ने तीसरे ही मैच में संजुरी जड़ दी। उनकी बल्लेबाजी इतनी शानदार रही कि सैमसन की वापसी के बाद भी वैभव ने ओपनिंग की और सैमसन खुद नंबर-3 पर उतर गए। तब यह रिश्ता कप्तान और युवा खिलाड़ी का था। अब दोनों की कहानी टीम इंडिया की ओपनिंग स्लॉट तक पहुंच चुकी है। 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप जीती, सैमसन 2026 टी-20 वर्ल्ड कप के फ्लयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। दोनों के पास टीम को मैच जिताने की अपनी-अपनी वजह है। फर्क सिर्फ इतना है कि फिलहाल फ्लैंग-11 में एक ही जगह दोनों वेग लिए खूली हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले दो टी-20 में भारत ने सैमसन और अभिषेक शर्मा से ओपनिंग कराई, जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछली

उन वास्तविक
भी सामने रखते
करने की जरूरत
पूर्वग्रह उनका
को कमजोर क
लेखक के अपन
ज मर्चेट)

इमरजेंसी या महामारी में ईपीएफ नहीं कटेगा, सैलरी में मिलेगा,तीन महीने के लिए लागू होगा नियम, जाने सैलरी-पेंशन पर क्या असर?

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने नई कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना-2026 में खास प्रावधान जोड़ा है। इसके तहत कोई इमरजेंसी, महामारी या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में तीन महीने के लिए कर्मचारी की सैलरी से इन्हें नहीं कटेगा या आंशिकतौर पर कटेगा। यह आपात स्थिति कब होगी, यह सरकार तय करेगी और नोटिफिकेशन भी जारी करेगी। यह राहत पूरे देश या किसी खास राज्य/क्षेत्र के लिए लागू की जा सकती है। सवाल 1: ईपीएफ स्कीम 2026 में क्या नया प्रावधान जोड़ा गया है? जवाब: यदि देश में कोई महामारी या राष्ट्रीय आपदा आती है तो केंद्र सरकार को यह अधिकार होगा कि वह कर्मचारियों और कंपनियों के पीएफ योगदान को एक बार में अधिकतम तीन महीने के लिए घटा सके या टाल सके। यह राहत पूरे देश या किसी खास राज्य/क्षेत्र के लिए लागू की जा सकती है। सवाल 2: क्या इस नियम के लागू होते ही हर महीने होने वाली पीएफ कटौती कम हो जाएगी? जवाब: नहीं। यह एक इमरजेंसी पावर है, जो सरकार को जरूरत पड़ने पर फैंसला लेने की अनुमति देती है। जब तक सरकार किसी आपदा या महामारी के दौरान विशेष नोटिफिकेशन जारी नहीं करती, तब तक पीएफ

कटौती का सामान्य नियम (मूल वेतन का 12फीसदी) ही लागू रहेगा। सवाल 3. क्या कर्मचारी पीएफ योगदान कम करने का विकल्प खुद चुन सकते हैं? जवाब: नहीं। कर्मचारी या कंपनी अपनी तरफ से इसमें कोई बदलाव नहीं कर

सकते। सामान्य परिस्थितियों में स्टैंडर्ड 12फीसदी योगदान (या अधिसूचित संस्थानों में 10फीसदी) देना अनिवार्य रहेगा। सवाल 4. सरकार ने यह प्रावधान क्यों जोड़ा, क्या पहले ऐसा नहीं होता था? जवाब: सरकार ने संकट के समय कर्मचारियों और कंपनियों को तुरंत वित्तीय राहत देने के लिए यह स्पष्ट कानूनी ढांचा बनाया है। इससे पहले, कोविड-19 महामारी के समय मई, जून और जुलाई 2020 के लिए पीएफ योगदान की



तो इन-हैंड सैलरी पर क्या असर पड़ेगा? जवाब: यदि कर्मचारी का पीएफ योगदान घटता है, तो उसकी मंथली टेक-होम सैलरी बढ़ जाएगी। उदाहरण: मान लीजिए आपका पीएफ अंशदान हर महीने ₹6,000 कटता है। अगर सरकार तीन महीने के लिए इसे घटाकर ₹5,000 कर देती है तो आपको हर महीने ₹1,000 अतिरिक्त सैलरी मिलेगी। तीन महीने में कुल ₹3,000 की बचत हाथ में आएगी। सवाल 6. क्या टेक-होम सैलरी बढ़ने का कोई

कम कर सकता है। सवाल 7: योगदान 'कम करने' और 'टालने' में क्या फर्क है? जवाब: दोनों में बड़ा अंतर है: कमी: तय अवधि के लिए योगदान की दर घटा दी जाती है, जिसे बाद में जमा नहीं करना होता। स्थगित करना: संकट के समय भुगतान रोक दिया जाता है, लेकिन बाद में उस बकाया राशि को पीएफ खाते में जमा करना पड़ता है। सवाल 8. क्या सरकार जब चाहे सामान्य दिनों में भी पीएफ दरें बदल सकती है? जवाब: नहीं।

महुआ ने कहा- मुझ पर अंडे फेंके गए,पुलिस भी इसमें शामिल, सुप्रीम कोर्ट के कहने के बाद अपने क्षेत्र में गई थी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के तेहड़ा में बुधवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। महुआ ने कहा कि इस दौरान उनके ऊपर अंडे फेंके गए। घटना के बाद महुआ ने वीडियो जारी करते हुए कहा- मैं पश्चिम बंगाल पुलिस को सूचना देकर अपने क्षेत्र में एक मीटिंग के लिए आई थी। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पुलिस की ही मदद से मुझ पर अंडे फेंके। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुझसे कहा था, 'कृपया जाइए और अंडों का सामना कीजिए। इसलिये, मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में आई। लेकिन करीब सात से दस लोग आए और हम पर हमला किया।

'कहा- 4 पुलिसकर्मी मौजूद थे- महुआ ने कहा कि अदालत के

से पूछा जब मेरी कोई गलती ही नहीं है, तो मैं कार में क्यों बैजू? लेकिन पुलिस वे ठीक सामने वे आए, अंडे लाए और मैं जा पाई। कार्यकर्ताओं ने मुझ पर अंडे फेंके। इसका बाद महुआ ने कहा कि मैं विशेष रूप से जाँस्टिस दीपांकर दत्ता का उल्लेख दूँ, जिन्होंने कहा था कि मुझे जाकर इसका बहादुरी से सामना करना चाहिए। मामला ने जस्टिस दत्ता का नाम क्यों लिया-पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के महुआ मोइत्रा के खिलाफ एक

आपत्तिजनक बयान को लेकर एफआईआर दर्ज हुई थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले में उन्हें गिरफ्तारी से राहत तो दी, लेकिन जांच अधिकारी के सामने पेश होने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ महुआ सुप्रीम कोर्ट पहुँची और मांग की कि कानून-व्यवस्था और हमले के खतरे को देखते हुए उन्हें थाने जाने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की अनुमति दी जाए। 7 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नाग की बेंच ने इस मामले की सुनवाई हुई। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने वर्चुअल पेशी की यह मांग खारिज कर दिया और कहा कि आप एक सांसद हैं, राजनीति में आने के बाद आप अंडों से डर रही हैं, जबकि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने सीने पर गोлияं खाई हैं।

पीएम का 76वां जन्मदिन आज, देशभर में कार्यक्रम-उज्जैन में 25 लाख दीप, गुजरात से वाराणसी तक निकलेगी बाइक यात्रा, फरीदाबाद में दिव्यांगों को स्कूटी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिन आज यानि 17 सितंबर को है। इस मौके पर भाजपा देशभर में कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसे मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर

बुनकर ने सिल्क से मोदी और उनकी मां की तस्वीर बनाई- वाराणसी के बुनकर वंशेश कुमार श्रीवास्तव ने सिल्क के धागों से पीएम मोदी की उनकी मां हीराबेन मोदी के साथ तस्वीर बनाई है।



पर सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने से भी जोड़ा गया है। इसे के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। जन्मदिन पर देश के अलग-अलग हिस्सों में सेवा और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम होंगे। भाजपा ने लोगों से घरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील की है। गुजरात स्थित पीएम के जन्मस्थल वडनगर और वाराणसी से बाइक यात्रा शुरू होगी। फरीदाबाद में भाजपा सांसद दिव्यांगों को इलेक्ट्रिक स्कूटी बांटेंगे। उज्जैन में 25 लाख से ज्यादा दीप जलाने की तैयारी है। मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया समेत 10 प्रमुख जगहों को लाइट्स से जगमग किया जाएगा। इधर पटना में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम के कूटआउट की आरती उतारी और दूध चढ़ाया। 1. वाराणसी -

इसे पारंपरिक उचंद कला से तैयार किया गया है। इस तस्वीर को बनाने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा। यह कलाकृति वाराणसी की बुनकरी और पारंपरिक कला की विरासत को भी दर्शाती है। 2. गुजरात - वडनगर और वाराणसी से एक साथ शुरू होगी बाइक यात्रा- गुजरात के वडनगर और वाराणसी से एक साथ बाइक यात्राएं शुरू होंगी। वडनगर से निकलने वाली यात्रा वाराणसी पहुंचेगी, जबकि वाराणसी से शुरू होने वाली यात्रा वडनगर आएगी। दोनों यात्राओं का समापन 7 अक्टूबर को होगा। वडनगर से यात्रा को गृह मंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाएंगे। दोनों यात्राओं में करीब 1,000 युवा शामिल होंगे। ये 10 राज्यों के 193 जिलों और करीब 1,159 गांवों से होकर गुजरेंगी और करीब 40 हजार किमी की दूरी तय करेंगी। वडनगर से वाराणसी जाने में शिप्रा नदी के घाटों और महाकाल लोक क्षेत्र में करीब 25 लाख मिट्टी के दीप जलाए जाएंगे। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन शिप्रा नदी की आरती और 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी दिन इंदौर में केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत राज्यभर में जमीन के लिए नई रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होगी। भाजपा के मुताबिक, यह प्रक्रिया पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर शुरू होगी। 4. जम्मू-कश्मीर - 8.9 लाख दीप जलाने की तैयारी जम्मू-कश्मीर में 8.9 लाख दीप जलाए जाएंगे। केंद्र शासित प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में दीप जलाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं। 6. हरियाणा: दिव्यांगों को इलेक्ट्रिक स्कूटी-फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में 17 सितंबर को दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक स्कूटी दी जाएगी। केंद्रीय सहकारिता

राज्यमंत्री और फरीदाबाद सांसद कृष्ण पाल गुर्जर सुबह 10:30 बजे स्कूटी बांटेंगे। 7. पश्चिम बंगाल: 50 हजार लाभार्थियों का कार्यक्रम-कोलकाता के बोर्डमेला ग्राउंड में 17 सितंबर को करीब 50 हजार अनपूरणा योजना लाभार्थियों को जुटाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करने संभावना है। 8. मुंबई: गेटवे ऑफ इंडिया सहित 10 जगहें रोशन होंगी- मुंबई में 10 प्रमुख जगहों को रोशन किया जाएगा। इनमें गेटवे ऑफ इंडिया, आरे कॉलोनी, बांधगंगा, गिरगांव पोपार्टी, बांद्रा बंडस्टॉड और संजय गांधी नेशनल पार्क शामिल हैं। मुंबई भाजपा की ओर से 10 हजार बूथों पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का कार्यक्रम भी रखा गया है। इसके अलावा 'सेवा फेस्ट' इनोवेशन चैलेंज के जरिए युवाओं, छात्रों, स्टार्टअप और इनोवेटर्स को अपने आइडिया और प्रोडक्ट दिखाने का मौका दिया जाएगा। इसके विजेताओं को सरकार की ओर से सीड फंडिंग दी जाएगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने 9 अगस्त को बताया था कि पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा।

17 सितंबर को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान देशभर में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे-शाम 6 से 7 बजे के बीच 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम होगा। इस दौरान भाजपा ने लोगों से अपने घरों में दीप जलाने की अपील की है। निकसित भारत 2047 का संकल्प भी लिया जाएगा। 7 अक्टूबर को जिला मुख्यालयों पर 'सेवा ज्योति कलश यात्रा' निकाली जाएगी।

अमेरिका में पढ़े विदेशियों का वहां नौकरी करना मुश्किल,रु40 हजार की जगह रु1 करोड़ वसूलने की तैयारी,करीब 4 लाख भारतीय छात्रों पर असर

नई दिल्ली।इनमें से जो छात्र पढ़ाई के बाद अमेरिका में नौकरी

आवेदकों की संख्या में 15फीसदी कमी दर्ज की गई है। अमेरिका में

परेशानी बढ़ सकती है। 3. भारी फीस का डर: अमेरिका विदेशी



करना चाहते हैं, उनके लिए ओपीटी अहम रास्ता है। फीस में इतना इजाजा होने पर अमेरिका के बजाय दूसरे देशों में पढ़ाई और नौकरी के विकल्प तलाशने वाले छात्रों की संख्या बढ़ सकती है।जर्मनी और फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों में भी विदेशी छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करने के विकल्प मौजूद हैं। हालांकि इस बीच कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने छात्रों को ईमेल भेजा। यूनिवर्सिटी ने कहा कि वह मौजूदा हालात को समझती है और पूरे मामले पर नजर रख रही है। अमेरिका में भारतीय स्टूडेंट्स की संख्या घटी- एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत से आने वाले

सबसे ज्यादा भारत से स्टूडेंट पढ़ने जाते हैं। कमी की 3 वजहें- 1. सख्त वीजा नियम और नीतियां: इसकी एक बड़ी वजह सख्त वीजा नियम और इमिग्रेशन नीतियां हैं। इन नियमों को लेकर छात्रों में यह डर बढ़ा है कि आगे पढ़ाई और नौकरी के लिए अमेरिका में रहना कितना आसान होगा। 2. वीजा की नई समय सीमा: अमेरिकी सरकार ने छात्र और विजिटिंग वीजा के लिए पहले से तय रहने की अवधि की व्यवस्था में बदलाव किया है। अब कई मामलों में अमेरिका में रहने की समयसीमा चार साल तक सीमित हो सकती है। इससे लंबे समय की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए

छात्रों पर 1 लाख डॉलर तक की फीस लगाने पर भी विचार कर रहा है, खासकर उन छात्रों के लिए जो पढ़ाई पूरी करने के बाद ओपीटी के जरिए अमेरिका में काम करना चाहते हैं। अमेरिका में एच-1बी वीजा के लिए ज्यादा फीस लेने का भी प्रस्ताव-अगस्त में एच-1बी वीजा को लेकर नया प्रस्ताव जारी किया था। इसके मुताबिक एच-1बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को हर वीजा के लिए 1,03,265 डॉलर यानी करीब 98 लाख रुपए एक्स्ट्रा फीस देनी होगी। पहले एच-1बी वीजा लेने में आमतौर पर करीब 2,000 से 5,000 डॉलर (करीब 1.9 लाख से 4.7 लाख रुपए) तक फीस लगती थी।

मसूद अजहर पर 70 लाख का इनाम रख पाकिस्तान कैसे करोड़ों जुटाएगा!

इस्लामाबाद/नयी दिल्ली। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना आतंकी मसूद अजहर के सिर पर पाकिस्तान ने 70 लाख रुपए का इनाम रखा है। पाकिस्तान 2021 से दावा करता आ रहा है कि मसूद अफगानिस्तान भाग चुका है, जबकि भारतीय एजेंसियों का मानना है कि वो पाकिस्तान में ही छिपा है। मसूद अजहर पर पाकिस्तान ने कब और कितना इनाम रखा? जवाब: पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी, एफआईए ने अपनी सालाना 'रेड बुक' जारी की है। इसमें देश के मोस्ट वॉन्टेड हाई-प्रोफाइल आतंकियों की तस्वीरें, उनका आतंकी संगठन, उन पर चल रहे मुकदमे और इनाम की जानकारी होती है। एफआईए का काउंटर टेररिज्म विंग इस रेड बुक को तैयार करता है। 2026 की रेड बुक में कुल 1,804 'मोस्ट वॉन्टेड आतंकवादियों' में मसूद अजहर का नाम 1480वें नंबर पर फरार आतंकी के बतौर दर्ज है। मसूद के इस लिस्ट में शामिल होने की तारीख 31 दिसंबर, 2021 है। तब एफआईए ने पाकिस्तानी पुलिस और फोर्सों को मसूद अजहर की जानकारी देने पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए का इनाम रखा था। अब इसे बढ़ाकर 70 लाख रुपए कर दिया गया है। भारत ने पाकिस्तान से मसूद सहित 20 आतंकियों को भारत को सौंपने की मांग की थी। मार्च 2024 में भारत ने वॉन्टेड लोगों की एक लिस्ट जारी की थी, इसमें भी मसूद अजहर का नाम टॉप पर है। एफआईए की रेड लिस्ट में 2021 से अब तक मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों की संख्या 1,330 से बढ़कर 1,804 हो गई है। इसमें 26/11 मुंबई हमलों में फंडिंग करने वाले 6 और आतंकियों के नाम भी शामिल हैं। एफआईए का कहना है कि 26/11 हमले में शामिल सभी 17 आतंकी पिछले 18 साल से फरार हैं। मसूद अजहर हैं कौन और भारत में कितनी आतंकी घटनाओं के लिए जिम्मेदार? जवाब: मसूद अजहर की पैदाइश 10 जुलाई 1968 को पाकिस्तान के बहावलपुर की है। मसूद के पिता अल्लाह बख्स सबौर स्कूल प्रिंसिपल थे और मुर्गा फार्म भी चलाते थे। 29 जनवरी, 1994 को मसूद ढाका से दिल्ली की पलाइट लेकर पहली बार भारत आया और फर्जी नाम से श्रीनगर में रहने लगा। मसूद का काम था- जम्मू-कश्मीर में एक्टिव तब के दो आतंकी गुटों- हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी और हरकत-उल-मुजाहिदीन के बीच तनाव कम करना। हालांकि इसी साल मसूद पकड़ा गया और उसे जेल भेज दिया गया। 24 दिसंबर 1999 को मसूद और कुछ अन्य आतंकियों को छुड़ाने के लिए हरकत-उल-मुजाहिदीन के 5 आतंकी काठमांडू से दिल्ली की पहाड़ी इंडियन एयरलाइंस की रफाड़ट आई सी-814 को हाइजैक करके अफगानिस्तान

पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इनमें बहावलपुर में जैश का हेडक्वार्टर 'मरकज सुभानअल्लाह' भी शामिल था। हमले में मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और उसके 4 करीबी साथी मारे गए थे। मरने वालों में मसूद की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल थे। सितंबर 2025 में जैश कमांडर इलियास कश्मीरी ने भी इस नुकसान की बात कबूली। हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इसलिए उसकी जान बच गई थी। मसूद ने बाद में कहा था- 'मैं भी मर जाता, तो खुशनसीब होता।' सवाल-3: पाकिस्तान को अभी मसूद पर इनाम बढ़ाने की जरूरत क्यों पड़ी? जवाब: जानकारी इसे अक्टूबर में पेरिस में होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स, यानी एफएटीएफ की मीटिंग से जोड़ रहे हैं। एफएटीएफ एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जो निगरानी करती है कि दुनिया भर के देश मनी लॉन्ड्रिंग, टेररिस्ट फंडिंग और परमाणु हथियारों की फंडिंग रोकने के लिए कैसा काम कर रहे हैं। हर साल फरवरी, जून और अक्टूबर में एफएटीएफ की मीटिंग्स होती हैं। इनमें देशों से उनकी फंडिंग को लेकर कई सवाल पूछे जाते हैं। इसके बाद एफएटीएफ देशों की कई तरह की कैंटेगरीज बनाती है।

इनमें 2 लिस्ट खास हैं...1. ग्रे लिस्ट- ज्यूरिस्टिक्शन अंडर इनकीज्ड मॉनिटरिंग:-इसमें वो देश रखे जाते हैं, जहां मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद की फंडिंग या परमाणु प्रसार से जुड़ी फंडिंग से निपटने में खामी मिली हो। ये देश कमियां दूर करने के लिए एटीएफ के साथ मिलकर काम करने का वादा करते हैं और एफएटीएफ इनपर नजर रखता है। ग्रे लिस्ट का मतलब किसी

कॉल फॉर एक्शन-एफएटीएफ जब मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फंडिंग वगैरह को रोकने के मामले में किसी देश में गंभीर खामियां पाती हैं, तो उसे इस गंभीर लिस्ट में डाल देता है। एफएटीएफ, दूसरे देशों से भी उस देश में जांच-पड़ताल और एक्शन लेने को कह सकता है। दूसरे देशों के बैंक ऐसे देश में पैसे के लेन-देन को लेकर सावधानी बरतते हैं। ऐसे देश के लिए ग्लोबल ट्रूड मुश्किल हो जाता है। इंटरनेशनल पेमेंट मुश्किल और महंगे हो सकते हैं। विदेशी निवेश रुक सकता है। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसी संस्थाओं से वित्तीय मदद या कर्ज वगैरह मिलना मुश्किल हो जाता है।

पाकिस्तान 2018 से 2022 तक एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में रह चुका है। अक्टूबर 2022 में एफएटीएफ ने रिव्यू के बाद इसे ग्रे लिस्ट से हटा दिया था। कानूनी और बिजनेस एनालिसिस के इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म मनदाक की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट से हटने के बावजूद उस पर एफएटीएफ की निगरानी जारी है, क्योंकि वह एफएटीएफ के मनी लॉन्ड्रिंग हथियारों की फंडिंग रोकने के लिए कैसा काम कर रहे हैं। हर साल फरवरी, जून और अक्टूबर में एफएटीएफ की मीटिंग्स होती हैं। इनमें देशों से उनकी फंडिंग को लेकर कई सवाल पूछे जाते हैं। इसके बाद एफएटीएफ देशों की कई तरह की कैंटेगरीज बनाती है।

इनमें 2 लिस्ट खास हैं...1. ग्रे लिस्ट- ज्यूरिस्टिक्शन अंडर इनकीज्ड मॉनिटरिंग:-इसमें वो देश रखे जाते हैं, जहां मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद की फंडिंग या परमाणु प्रसार से जुड़ी फंडिंग से निपटने में खामी मिली हो। ये देश कमियां दूर करने के लिए एटीएफ के साथ मिलकर काम करने का वादा करते हैं और एफएटीएफ इनपर नजर रखता है। ग्रे लिस्ट का मतलब किसी

कॉल फॉर एक्शन-एफएटीएफ जब मनी लॉन्ड्रिंग, टेरर फंडिंग वगैरह को रोकने के मामले में किसी देश में गंभीर खामियां पाती हैं, तो उसे इस गंभीर लिस्ट में डाल देता है। एफएटीएफ, दूसरे देशों से भी उस देश में जांच-पड़ताल और एक्शन लेने को कह सकता है। दूसरे देशों के बैंक ऐसे देश में पैसे के लेन-देन को लेकर सावधानी बरतते हैं। ऐसे देश के लिए ग्लोबल ट्रूड मुश्किल हो जाता है। इंटरनेशनल पेमेंट मुश्किल और महंगे हो सकते हैं। विदेशी निवेश रुक सकता है। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसी संस्थाओं से वित्तीय मदद या कर्ज वगैरह मिलना मुश्किल हो जाता है।

पाकिस्तान 2018 से 2022 तक एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में रह चुका है। अक्टूबर 2022 में एफएटीएफ ने रिव्यू के बाद इसे ग्रे लिस्ट से हटा दिया था। कानूनी और बिजनेस एनालिसिस के इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म मनदाक की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट से हटने के बावजूद उस पर एफएटीएफ की निगरानी जारी है, क्योंकि वह एफएटीएफ के मनी लॉन्ड्रिंग हथियारों की फंडिंग रोकने के लिए कैसा काम कर रहे हैं। हर साल फरवरी, जून और अक्टूबर में एफएटीएफ की मीटिंग्स होती हैं। इनमें देशों से उनकी फंडिंग को लेकर कई सवाल पूछे जाते हैं। इसके बाद एफएटीएफ देशों की कई तरह की कैंटेगरीज बनाती है।

इनमें 2 लिस्ट खास हैं...1. ग्रे लिस्ट- ज्यूरिस्टिक्शन अंडर इनकीज्ड मॉनिटरिंग:-इसमें वो देश रखे जाते हैं, जहां मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद की फंडिंग या परमाणु प्रसार से जुड़ी फंडिंग से निपटने में खामी मिली हो। ये देश कमियां दूर करने के लिए एटीएफ के साथ मिलकर काम करने का वादा करते हैं और एफएटीएफ इनपर नजर रखता है। ग्रे लिस्ट का मतलब किसी

पठानकोट हमले के बाद मसूद को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया, लेकिन एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल रामेश्वर रॉय के मुताबिक, 'ऑपरेशन सिंदूर' से पहले पाकिस्तान में मसूद को सेना का प्रोटेक्शन मिला हुआ था, लेकिन पाकिस्तान नहीं मानता कि मसूद उसकी जमीन पर मौजूद है।' हेमंत महाजन कहते हैं, 'पाकिस्तान का कहना है कि मसूद अजहर पर नजर रख रहा है, लेकिन जब तक टेररिस्ट कैप बंद न हो, फंडिंग न रोक दी जाए, तब तक उसे पकड़ने की कोशिश के पाकिस्तान के दावा पर कोई भरोसा नहीं किया जा सकता।'

ओटीटी कंटेंट की सेंसरशिप के लिए आरएसएस ने बनाया पैनल, फिल्मों की तरह सर्टिफिकेशन की मांग, जानिए क्या हैं मौजूदा नियम और एक्सपर्ट की राय

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाए जाने वाले कंटेंट के सेंसरशिप के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक पैनल बनाया है। यह पैनल तय करेगा कि ओटीटी पर दिखाया जाने वाला कंटेंट अश्लील, संस्कृति के खिलाफ, एंटी नेशनल या बच्चों पर गलत प्रभाव डालने वाला नहीं है। आरएसएस का मानना है कि ओटीटी पर कुछ ऐसा कंटेंट दिखाया जा रहा है, जिसका बच्चों और युवाओं पर गलत असर पड़ सकता है। संघ इसे भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से भी जोड़कर देखता है। इसी वजह से ओटीटी कंटेंट पर ज्यादा सख्त नियम बनाने की जरूरत पर चर्चा हो रही है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहले भी ओटीटी और डिजिटल कंटेंट को लेकर चिंता जता चुके हैं। फिलहाल ऐसा कोई सेंसर बोर्ड नहीं बना है। आरएसएस ने सिर्फ एक पैनल बनाया है, जो इस मुद्दे पर सुझाव देगा। पैनल की सिफारिशों के बाद ही यह तय होगा कि आगे क्या व्यवस्था हो सकती है। संघ से जुड़े लोगों ने ओटीटी के लिए फिल्मों के सेंसर बोर्ड जैसी व्यवस्था बनाने को कहा है। अगर ऐसा होता है तो ओटीटी पर रिलीज होने वाले कंटेंट की पहले से जांच और सर्टिफिकेशन की व्यवस्था की जा सकती है। बातचीत में ट्रेड एनालिस्ट अतुल मोहन ने इस पर कहा है,



कैसे किसी के सेंटिमेंट्स हर्ट हों हमें नहीं पता। पहले भी कई विवाद हुए हैं। भूतनाथ डायरेक्टर विवेक शर्मा कहते हैं, सबको लगा था कि जिन लोगों को थिएटर में क्रिएटिव फ्रीडम नहीं मिल रही है ओटीटी पर उन्हें मदद मिलेगी, लेकिन उल्टा हुआ। लोगों ने क्रिएटिव फ्रीडम का मतलब अश्लीलता बना दिया। फिल्मों से कैसे अलग है ओटीटी? सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्मों को सीबीएफसी यानी सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट लेना पड़ता है। इसके बिना फिल्म

को थिएटर में रिलीज नहीं किया जा सकता। वहीं ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों और वेब सीरीज को सीबीएफसी से सर्टिफिकेट नहीं लेना पड़ता। कई ओटीटी प्लेटफॉर्मों किफ जा चुके हैं बैन-लंबे समय से ओटीटी पर

आने वाले कंटेंट की कई शिकायतें मिली हैं। जिसके बाद ओटीटी से जुड़े सख्त नियम भी बनाए जा रहे हैं। पिछले दो सालों में 50 ओटीटी प्लेटफॉर्मों को हटाया जा चुका है। केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने इस साल की शुरुआत में 5 ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म (ओटीटी) को ब्लॉक किया है। जिनमें मूविएक्सवीआईपी, कोयल प्लेगो, डिजी मूवीप्लेक्स, फील और जुगनू शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म पर

अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट दिखाया जा रहा था। यह कंटेंट आईटी एक्ट 2000, आईटी नियम 2021, आईपीसी की धारा 292 और महिलाओं को गलत तरीक से दिखाने से जुड़े कानूनों का उल्लंघन करता पाया गया। पिछले साल जुलाई में उल्लू ऑल्ट समेत 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म बैन किए गए थे। मार्च 2024 में सरकार ने अश्लील कंटेंट को लेकर 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया था। साथ ही 19 वेबसाइट्स, 10 एप्स और 57 सोशल मीडिया हैंडल्स भी ब्लॉक कर दिए थे। देश में कब और कैसे हुई ओटीटी की शुरुआत? देश में ओटीटी की शुरुआत 2008 में हुई थी। पहला डिपेंडेंट ओटीटी प्लेटफॉर्म 'बिगपिलक्स' था। इसे रिलायंस एंटरटेनमेंट ने साल 2008 में रिलीज किया था। इसके बाद 2010 में डिजिवाइव ने 'नेक्सजीटीवी' नाम से इंडिया का पहला ओटीटी मोबाइल ऐप लॉन्च किया। आईपीएल की लाइव स्ट्रीमिंग ने बढ़ाई लोकप्रियता 2013 और 2014 में नेक्सजीटीवी, आईपीएल मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग करने वाला पहला ऐप बना। इसके बाद 2015 में आईपीएल की लाइव स्ट्रीमिंग ने हो होटस्टार (जो अब डिज्जिहॉटस्टार है) को देश का सबसे लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म बनाया। 2013 में टीवी शोज भी ओटीटी पर आए 2013 में डिज्जि टीवी और सोनी लिव

जैसे ऐप भी लॉन्च हुए जिन्होंने स्टार, सोनी, वायकॉम और जी जैसे चैनल्स पर प्रसारित किए जाने वाले शोज भी ओटीटी पर स्ट्रीम करने शुरू कर दिए। इसके बाद दर्शकों ने बड़े पैमाने पर इन ओटीटी ऐप्स को डाउनलोड करके मनमर्जी से किसी भी वक्त अपने फेवरेट शोज देखना शुरू कर दिए। कोरोना काल में बढ़ी लोकप्रियता 2020 में कोरोना काल के शुरुआती तीन महीने में भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्मों को 2019 के अंतिम तीन महीनों के मुकाबले 13फीसदी ज्यादा व्यूज मिले। पहले लॉकडाउन के दौरान जी-5 के सब्सक्राइबर सबसे ज्यादा 80फीसदी बढ़े, वहीं अमेजन प्राइम को 67फीसदी नए यूजर्स ने सब्सक्राइब किया। इन्वेस्ट इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना काल में अमेजन प्राइम, नेटफ्लिक्स और डिज्जी प्लस होटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यूजर्स का टाइम स्पेंड 82.63फीसदी बढ़ा। इसी दौरान यू-ट्यूब जैसे फ्री एक्सेस प्लेटफॉर्म पर देश के लोगों ने 20.5फीसदी ज्यादा समय खर्च किया।

गणपति उत्सव-शिल्पा ने पैपराजी संग किया डांस, गोविंदा ने मांगी बेटे के लिए मन्नत, संजय दत्त ने घायल फोटोग्राफर का पूछा हाल, अजय देवगन लालबागचा राजा पहुंचे

मुंबई। गणेश चतुर्थी के मौके पर बॉलीवुड में गणेश उत्सव का माहौल बना हुआ है। शिल्पा शेड्डी,

दर्शन के लिए पहुंचे। वहां जाते समय उनकी नजर एक घायल पैपराजी पर पड़ी। बाइक एक्सीडेंट



संजय दत्त और गोविंदा समेत कई सितारे बप्पा के दर्शन और भक्ति के रंग में रंगे नजर आए। शिल्पा शेड्डी ने अपने घर पर बप्पा का स्वागत ढोल-नागाड़ों और पैपराजी के साथ डांस करके किया। वहीं संजय दत्त ने गणेश दर्शन के दौरान एक घायल पैपराजी की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इसके अलावा

के कारण फोटोग्राफर के पैर में चोट लगी थी। यह देखते ही संजय दत्त ने तुरंत अपना काफिला रुकवाया और उसका हाल-चाल जाना। जब फोटोग्राफर ने बताया कि उनका मेनेजर फोन नहीं उठा रहा है, तो संजय दत्त ने भरोसा दिलाया कि वे खुद इस मामले को देखेंगे। इसके पहले साल 2018 और 2019 में



अमेरिका से लौटे एक्टर गोविंदा ने भी घर पहुंचकर परिवार के साथ बप्पा के दर्शन किए और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की कामना की। अजय देवगन लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे। शिल्पा शेड्डी ने बेटी संग की दिवंगिन गणेश उत्सव

भी संजय दत्त पैपराजी की मदद करते देखे गए थे। अमेरिका से लौटकर बप्पा के दर्शन करने पहुंचे गोविंदा एक्टर गोविंदा अमेरिका का दौरा पूरा कर मुंबई लौटे और सीधे बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचे। गोविंदा ने अपने बच्चों टीना और यशवर्धन के साथ आरती की और भगवान गणेश से उनके अच्छे भविष्य की प्रार्थना की। उन्होंने न्यूज एजेंसी एनआई से बात करते हुए कहा कि उनके घर में गणपति बैठाने की परंपरा उनकी मां के समय से चली आ रही



के दौरान एक्टर शिल्पा शेड्डी का एक खास अंदाज देखने को मिला। शिल्पा अपने घर पर गणपति बप्पा का स्वागत करते समय ढोल की थाप पर जमकर थिरकती नजर आईं। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद फोटोग्राफर्स के साथ कदम से कदम मिलाकर डांस किया। पूजन के समय शिल्पा और उनकी बेटी समीशा मैचिंग पीले और गुलाबी रंग के पारंपरिक परिधान में नजर आईं। दोनों मां-बेटी की यह दिवंगिन काफी सराही जा रही है। पूजा के दौरान शिल्पा के पति राज कुंद्रा और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। संजय दत्त ने गाड़ी रुकवाकर घायल पैपराजी से पूछा हाल वहीं एक्टर संजय दत्त, समाज सेवी राहुल कंजल दे के घर गणपति

उल्टी आरती कर रहे थे सलमान खान, बहन ने टोका-यूलिया वंतूर ने भी आरती की, सोहेल खान के गणपति विसर्जन में थिरका परिवार

मुंबई। सलमान खान मंगलवार को खान परिवार के

सलमान खान के परिवार के गणपति विसर्जन में उनकी रुमई



गणपति विसर्जन में शामिल हुए। उन्होंने परिवार के साथ बप्पा की आरती की। इस बार खान परिवार ने सोहेल खान के घर गणेश चतुर्थी का आयोजन किया था। अब खान परिवार के विसर्जन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सलमान खान गणपति बप्पा की उल्टी आरती करते दिखे हैं। कुछ देर बाद बहन अर्पिता ने उन्हें टोकते हुए सही तरीका बताया, जिसके तुरंत बाद सलमान ने गलती सुधार ली।

गलफ्रेंड यूलिया वंतूर भी पहुंची। सलमान के ठीक बाद यूलिया ने आरती की। अर्पिता खान उन्हें भी आरती सिखाती दिखीं। विसर्जन से पहले खान परिवार ने की आरती:-सोहेल खान के बिल्डिंग परिसर में हुए गणेश विसर्जन में पूरा खान परिवार शामिल रहा। सोहेल खान, अर्पिता शर्मा ने बच्चों के साथ आरती की। वहीं हेलेन और अन्य मेहमानों ने भी बप्पा के दर्शन किए। गणेश चतुर्थी पर सलमान ने बदला लुक:-सलमान खान ने

तृषा को थलापति विजय के साथ न दिखने की हिदायत, एक्ट्रेस अंबिका बोली- अगर इससे वो शर्मिंदगी का सामना करते हैं, तो सावधानी बरतनी चाहिए

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय तथा अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन की हालिया साथ मौजूदगी फिर चर्चा में है। दोनों ब्रिटेन के सिल्वरस्टोन में अजित कुमार की ठे मैन्स कप रेस में नजर आए। विजय ने इस इवेंट को फ्लैग अफ किया। रेस से एक वीडियो सामने आया, जिसमें तृषा, विजय के साथ बालकनी में नजर आईं। इसी बीच दिग्गज अभिनेत्री अंबिका ने तृषा को विजय के साथ सार्वजनिक जगहों पर दिखने को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी।

का एक एक्ट्रेस के साथ एक्टर मैरिटेड अफेयर हैं। उन्हें इस बारे में अप्रैल 2021 में पता चला। हालांकि, उन्होंने एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया। उन्होंने यह भी बताया था कि विजय ने उन्हें लगातार मानसिक प्रताड़ना दी। उपेक्षित किया और छोड़ दिया। जरूरत पड़ने पर वह उस अभिनेत्री को भी मामले में दूसरा पक्षकार बनाएंगी। संगीता का कहना था कि उनका रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। विजय भावनात्मक रूप से उनसे दूर हो गए हैं। उनके साथ अपमानजनक व्यवहार करते



अंबिका ने साउथ की न्यूज वेबसाइट रेडिफ़ को दिए इंटरव्यू में कहा, 'तृषा को शायद लगता होगा कि वो और विजय सिर्फ दोस्त हैं, तो उन्हें आलोचना से फर्क नहीं पड़ता। लेकिन विजय एक बड़े पद पर हैं और साथ नजर आने से उसे शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है या इसका बुरा असर पड़ता है, तो मैं अगर तृषा की जगह होती तो ऐसा नहीं करती। मैं पीछे हट जाती और विजय के लिए मुश्किल खड़ी नहीं करती।' अंबिका ने यह भी कहा कि सिर्फ इसलिए दोस्ती खत्म नहीं की जा सकती, क्योंकि दोनों में से एक व्यक्ति बड़े पद पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 'जब दो लोग दोस्त होते हैं और उनमें से एक जिंदगी में ऊंचे मुकाम पर पहुंच जाता है, तो हम उस दोस्ती को नकार नहीं सकते। हमें उसे कोई दूसरा रंग नहीं देना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी खास जगह पर दोस्त के साथ उनकी मौजूदगी से बेवजह आलोचना हो सकती है, तो वह वहां जाना पसंद नहीं करेंगी। रेस में साथ पहुंचने से फिर चर्चा में आया अफेयर रुमर:- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलापति विजय ने शनिवार को सिल्वरस्टोन में मिश्लिन ले मैन्स कप रेस की हरी झंडी दिखाकर ओपनिंग की। साथ स्टार अजीत कुमार इस रेस में शामिल थे, जिन्होंने 38वां स्थान हासिल किया है। हालांकि इस रेस के दौरान थलापति विजय के साथ रुमई गलफ्रेंड तृषा कृष्णन की मौजूदगी ने ध्यान खींच लिया है। सोशल मीडिया पर रेस से जुड़े कई वीडियो सामने आ रहे हैं। कुछ में विजय, तृषा के साथ रेस एंजॉय करते दिखे, कुछ में एक्टर अजीत से रेस से पहले मुलाकात करते तो कभी रेस को हरी झंडी दिखाते। विजय-तृषा के अफेयर की चर्चा के बीच पत्नी संगीता ने तलाक की अर्जी वापस लेने के बाद ये पहली बार है जब विजय-तृषा फिर साथ नजर आए हैं।

नोएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ साल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी शादी को तीन साल हुए हैं। पिछले कुछ समय से मुझे लग रहा है कि मेरे पति मुझसे कुछ छिपा रहे हैं। वे पहले की तुलना में फोन पर ज्यादा समय बिताने लगे हैं और अक्सर स्क्रीन लॉक करके रखते हैं। एक-दो बार मैंने देखा कि मेरे कमरे में आते ही उन्होंने जल्दी से चैट बंद कर दी। इन बातों की वजह से मेरे मन में शक पैदा हो रहा है। कई बार मन करता है कि उनका फोन चेक करके सच जान लूं, लेकिन फिर डर लगता है कि अगर मेरी आशंका सही निकल गई तो क्या होगा। मैं इस झूठ में रहना चाहती हूं कि सब मेरे मन का वहम है। आप बताइए कि मैं क्या करूं? फोन चेक करूं, उन्हें कन्फ्रंट करूं या खुद को भ्रम में रहने दूं। जवाब- पार्टनर के व्यवहार में अचानक बदलाव दिखे तो मन में शक पैदा होना स्वाभाविक है। ये बातें असुरक्षा बढ़ा सकती हैं। ऐसे में फोन चेक करके सच जानने की इच्छा होना भी स्वाभाविक है। लेकिन मेरा सुझाव है कि शक होते ही उसे सच मान लेना ठीक नहीं। पहले यह समझना जरूरी है कि वास्तव में क्या फैंबट्स हैं और किन बातों का आप अनुमान लगा रही हैं। फोन की जासूसी करने के बजाय अपनी चिंता और असुरक्षा के बारे में पार्टनर से खुलकर बात करना ज्यादा स्वस्थ तरीका है। तो आइए समझने की कोशिश करते हैं कि इस स्थिति में आपको क्या करना चाहिए। पति फोन छिपा रहे हैं, तो क्या करें? यह एक विकट सवाल है। इस वक्त आपके सामने ये तीन रास्ते हैं- फोन चेक करना। सीधे बात करना। या कुछ न पूछकर अपने शक को दबा देना। इनमें तीसरा रास्ता सबसे आसान लग सकता है। लेकिन अनिश्चितता दिमाग को बार-बार उसी सवाल पर लेकर जाती है। 'वे मुझसे क्या छिपा रहे हैं?' 'वे किससे बात कर रहे हैं?' 'क्या उनके जीवन में कोई और है?' जब हमें किसी बात का जवाब नहीं मिलता, तो दिमाग खुद जवाब बनाने लगता है। कई बार वह सबसे बुरा जवाब चुन लेता है। इसलिए अपने शक को नकारना भी सही नहीं है। लेकिन केवल कुछ संकेतों के आधार पर इसे बेवफाई मान लेना भी सही नहीं है। इसलिए एक बार सोचकर देखिए कि- क्या

ये व्यवहार ठीक वैसा ही है, जैसा आपको लग रहा है? फोन छिपाने के पीछे और क्या संभावित कारण हो सकते हैं? फोन प्राइवसी संभावित कारण:-काम से जुड़ी बातचीत। निजी बातचीत की जरूरत। किसी दोस्त की निजी समस्या। किसी सरप्राइज

इसके अलावा यह आपके रिश्ते में एक नई समस्या भी पैदा कर सकता है। निजता की सीमा टूट सकती है। इसके बाद दोनों एक-दूसरे की निगरानी करने लग सकते हैं। इसलिए चोरी-छिपे फोन चेक करना सही तरीका नहीं है। शक होने पर फोन की

जरूर कुछ छिपा रहे हो।' 'फोन दिखाओ, तभी भरोसा करूंगी।' 'तुम्हारा अफेयर चल' यह कहें- 'मैंने तुम्हारे व्यवहार में बदलाव महसूस किया है।' 'इससे मुझे इनसिक्योरिटी हो रही है।' 'चाहती हूँ कि हम इस बारे में बात करें।' प्रतिक्रिया पर गौर करें-बातचीत में सिर्फ उनके जवाब पर ध्यान न दें। उनके व्यवहार को भी देखें। क्या वे आपकी चिंता समझने की कोशिश करते हैं? क्या वे बिना आपको नीचा दिखाए बात करते हैं? क्या वे आपके सवालों का जवाब देते हैं? क्या वे आपकी भावनाओं को महत्व देते हैं? या वे हर बार आपको ही दोष देने लगते हैं? क्या वे कहते हैं- 'मैं समझ सकता हूँ कि तुम्हें ऐसा क्यों लगा।' 'चलो इस बारे में बात करते हैं।' 'मैं तुम्हें बताता हूँ कि क्या चल रहा है।' तो यह संवाद की बेहतर शुरुआत हो सकती है।

किन संकेतों पर गौर करें? क्या उनका जवाब स्पष्ट है? क्या वे आपकी बात सुनते हैं? क्या उनका व्यवहार एक जैसा रहता है? क्या वे पारदर्शी रहने की कोशिश करते हैं? क्या आपके डर को खारिज करते हैं? क्या आपकी चिंता का मजाक उड़ाते हैं?

कब शक को गंभीरता से लेना चाहिए? सिर्फ फोन के ज्यादा इस्तेमाल से निष्कर्ष नहीं निकालें। लेकिन अगर इसके साथ कई और बदलाव भी दिखाई दें, तो स्थिति पर गंभीर बातचीत जरूरी है, जैसेकि-वे अचानक बहुत ज्यादा गोपनीय हो गए हो। फोन हमेशा अपने साथ रखते हों।

मैंसेज या कॉल के बारे में झूठ बोलते हों। बार-बार अलग-अलग बातें बताते हों। आपसे भावनात्मक दूरी बढ़ गई हो। किसी खास व्यक्ति के बारे में असामान्य रूप से रक्षात्मक हों। आपके सवाल पर गुस्सा, धमकी या अपमान करने लगें। अंतिम बात:-इस समय आपको न तो आंखें बंद करने की जरूरत है, न ही जासूस बनने की।

फोन चेक करके सच खोजने के बजाय रिश्ते में सच बोलने की जगह बनाएं। अगर आपको शक लगत है, तो खुली बातचीत करें। आपको भरोसा वापस बनाने में मदद करेगी। अगर वास्तव में कोई समस्या है, तो भी खुली बातचीत ही उसका समाधान है।



की तैयारी। सोशल मीडिया एक्टिविटी। आपसी रिश्ते में तनाव या दूरी। कोई ऐसी बात, जो बताती नहीं चाहते। ये सब सच हैं या आपका अनुमान- अपने व्यवहार में कुछ बदलाव देखें और आपके दिमाग ने नतीजे निकाल लिए। हम किसी व्यवहार को देखते हैं और उसका कारण खुद तय कर लेते हैं। जैसेकि 'चैट बंद की, यानी जरूर कुछ छिपा रहा होगा।' लेकिन जरूरी नहीं है कि ऐसा ही हो। दिमाग को अंधरी जानकारी पसंद नहीं होती। इसलिए वह खाली जगह को अनुमान से भर देता है। इसलिए पहले यह समझना जरूरी है कि आपके पास कितने फैंबट्स हैं और कितना अनुमान। फोन चेक करने का मन क्यों करता है? फोन चेक करने का मन इसलिए करता है क्योंकि आपको तुरंत निश्चितता चाहिए। लेकिन यहां भी एक समस्या है। अगर कुछ संदिग्ध दिख गया, तो शक और बढ़ सकता है। अगर कुछ नहीं मिला, तब भी दिमाग कह सकता है- 'शायद चैट डिलीट कर दी होगी।' 'शायद दूसरे फोन से बात करते होंगे।' यानी फोन चेक करना हमेशा मानसिक शांति नहीं देता।